Extension and outreach programs conducted by the institution through NSS/NCC/Red cross/YRC etc. during the last five years

Arrangement of Documents

01. All the reports of Programmes Conducted by NCC (From Session 2014-15 to 2018-19)
02. Reports of Programmes Conducted by NSS

    (From Session 2014-15 to 2018-19)
03. Reports of Programmes Conducted by other cells/ department

    (From Session 2014-15 to 2018-19)

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 10.07.2014

पल्स पोलियो अभियान में एन.सी.सी. केडेट्स का प्रशिक्षण

पल्स पोलियो अभियान में संस्थान के एन.सी.सी. के 20 केडेट्स को क्षेत्र के समस्त पोलियों बूथों पर अपनी सेवायें प्रदान करने व घर–घर जाकर जन्म से लेकर पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाने के लिए आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 10 जुलाई, 2014 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। स्थानीय राजकीयय चिकित्सालय से आई प्रशिक्षकों की टीम प्रभारी बी.आर. सारण ने स्वयं सेवकों को सामान्य बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए पल्स पोलियो कार्यक्रम की रणनीति एवं प्रक्रिया के बारे में बताया। पोलियो की रोकथाम, टीकाकरण, बच्चों का टीकाकरण के बाद अंगुली पर निशान करने, डोर टू डोर विजिट करने, दवा की देख–रेख करने आदि बिन्दुओं पर विस्तार से समझाया। टीम के सदस्यों गोपाल सिंह, डेगाराम आदि ने भी पल्स पोलियो पर व्यवहारिक तौर पर की जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बताया। क्षेत्र के समस्त पोलियो बूथ बार की सूची तैयार की। संस्थान के समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. सावित्री ने एन.सी. सी. केडेट्स के बारे में अन्य जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन दिव्या जांगिड़ व मोनिका चौधरी द्वारा किय गया। सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

Savitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 17.07.2014

एन.सी.सी. के छात्राओं द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन

नेशनल केडेट्स कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में 11 जुलाई से 17 जुलाई, 2014 तक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। छात्राओं द्वारा स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी संदेश प्रचारित किया गया। पाँच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान फॉनेटिक्स पर कार्यशाला, संस्थान परिसर में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता सम्बन्धित नारे लगाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया। इसके अतिरिक्त पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित कि गयी, जिसमें प्रथम नेहा प्रजापत, द्वितीय योगिता शर्मा तथा तृतीय अंकीता बैंगानी रही।

एन.सी.सी. के प्रभारी डॉ. सावित्री ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की व सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. छात्रा वर्षा व विद्या द्वारा किया गया।

Savitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 14.09.2014

एन.सी.सी. एक दिवसीय शिविर का आयोजन

जैन विश्वभारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 3 राज गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. केडेट्स का एक दिवसीय शिविर का आयोजन दिनांक 14 सितम्बर, 2014 को किया गया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्या समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि एन.सी.सी. एक ऐसा कार्यक्रम है जिस से जुड़कर विद्यार्थियों में सेवा के भावों का विकास सुगमता से किया जा सकता है। छात्राओं कि दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई। ड्रिल प्रतियोगिता व नई छात्राओं का एन.सी.सी. में चयन प्रक्रिया कि गई। 'ए' सर्टिफिकेट के लिए। इसमें शिविर कि समन्वयक डॉ. सावित्री ने शिविर की रूप रेखा एवं कार्यक्रम का विस्तार विवरण प्रस्तुत किया।

Sawitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 10.02.2015

(2014—15)

एन.सी.सी. केडेट्स को सडक सुरक्षा की जानकारी दी

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में सडक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 10 फरवरी को एन.सी.सी. गीत से प्रारम्भ करके कार्यक्रम में दिव्या जांगिड ने सडक सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी दी और यातायात चिन्हों की जानकारी देते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने एवं उसे सुरक्षित बनाने के उपाय बताये। छात्राओं द्वारा सडक सुरक्षा गीत भी प्रस्तुत किया गया। एन.सी.सी. केडेट्स ज्योति चौधरी, सुमन डुगालिया, नुसरत खान, प्रियंका पारीक, अंजु कुमारी व वन्दना प्रजापत ने एक नाटिका प्रस्तुत करते हुए सडक सुरक्षा का संदेश दिया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. प्रभारी श्री सावित्री चौधरी, डॉ. प्रगति भटनागर, कमल मोदी, मधुकर दाधीच उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त एन.सी.सी. छात्रा विधा खिचड ने धन्यवाद ज्ञापित कर किया।

Savitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी — 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 28.07.2015

पल्स पोलियो अभियान में एन.सी.सी. केडेट्स का प्रशिक्षण

पल्स पोलियो अभियान में संस्थान के एन.सी.सी. के 20 केडेट्स को क्षेत्र के समस्त पोलियो बूथों पर अपनी सेवायें प्रदान करने व घर–घर जाकर जन्म से लेकर पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्रोप्स पिलाने के लिए आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 28 जुलाई, 2015 को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। स्थानीय राजकीयय चिकित्सालय से आई प्रशिक्षकों की टीम प्रभारी बी.आर. सारण ने स्वयं सेवकों को सामान्य बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए पल्स पोलियो कार्यक्रम की रणनीति एवं प्रक्रिया के बारे में बताया। पोलियो की रोकथाम, टीकाकरण, बच्चों का टीकाकरण के बाद अंगुली पर निशान करने, डोर टू डोर विजिट करने, दवा की देख–रेख करने आदि बिन्दुओं पर विस्तार से समझाया। टीम के सदस्यों गोपाल सिंह, डेगाराम आदि ने भी पल्स पोलियो पर व्यवहारिक तौर पर की जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बताया। क्षेत्र के समस्त पोलियो बूथ बार की सूची तैयार की। संस्थान के समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. सावित्री ने एन.सी. सी. केडेट्स के बारे में अन्य जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन दिव्या जांगिड़ व मानसी बुगालिया द्वारा किय गया। सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

Savitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 14.10.2015

एन.सी.सी. स्वास्थ जाँच शिविर

नेशनल कैडेट्स कोर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय स्वास्थ जाँच शिविर का आयोजन दिनांक 14 अक्टूबर, 2015 को किया गया। एन. सी.सी. प्रभारी दिव्या जांगिड़ कि देख–रेख में 30 से 40 छात्राओं कि स्वास्थ जांच किया गया जिसमें खुन जांच, बी.पी. जांच आदि किये गए व एन.एस.एस. के प्रभारी डॉ. प्रगति भटनागर ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग किया।

Savitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 07.02.2016

सड़क सुरक्षा अभियान

सुरक्षा के लिए हेलमेट के साथ सभी यातायात नियमों का पालन करें:–कुमावत

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा विषय पर व्याख्यान का आयोजन दिनांक 7 फरवरी, 2016 को किया गया। थानाधिकारी इंस्पेक्टर नागरमल कुमावत ने इस व्याख्यान में वाहनों के रजिस्ट्रेशन नम्बर से लेकर उसकी आवश्यकता कारण एवं यातायात के नियमों व उनके पालन के सम्बंध में विस्तार से बताया तथा वाहन का रजिस्ट्रेशन प्रमाण–पत्र, इंश्योरेंस अनिवार्यता के बारे में जानकारी दी। कुमावत ने बताया कि सबसे ज्यादा मौतें सिर की चोट की वजह से होती है, इसलिए मोटर साईकिल पर अच्छी क्वालिटी के हेलमेट का प्रयोग आवश्यक रूप से करना चाहिए। दुपहिया वाहनों पर दो ज्यादा व्यक्तियों के नही बैठने को सुरक्षा के जरूरी बताया, उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाईल से बात नही करने, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का उपयोग करने जैसी बातों कि विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्थान के कुलसचिव श्री विनोद कक्कड ने अपना संबोधन दिया एवं आचार्य कालू कान्या महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ. अमिता जैन ने सभी का आभार ज्ञापित करते हुये विद्यार्थियों को यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने कि हिदायत दी।

Savitri

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 23.02.2016

एन.सी.सी. छात्राओं ने श्रमदान कर बनाया संस्थान परिसर को स्वच्छ

संस्थान में दो दिवसीय 22–23 फरवरी, 2016 को स्वच्छता अभियान के तहत संस्थान के छात्राओं ने एन.सी.सी. प्रभारी दिव्या जागिड़ के नेतृत्व मे परिसर के विभिन्न स्थानों में श्रमदान करके सफाई कार्य किया। छात्राओं के अलग–अलग दल बना कर छात्राओं ने अपने जिम्मे पृथक–पृथक स्थानों की सफाई का जिम्मा लिया और पूरी तन्मयता के साथ सफाई का कार्य पूर्ण किया। संस्थान के समस्त संकाय सदस्यों ने भी छात्राओं के साथ श्रमदान मे अपनी सहभागीता दिखई।

Divya

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 03.3.2017

(2016–17)

पल्स पोलियो अभियान में एन.सी.सी. केडेट्स का प्रशिक्षण

पल्स पोलियो अभियान में संस्थान के एन.सी.सी. के 30 केडेट्स को क्षेत्र के समस्त पोलियो बूथों पर अपनी सेवायें प्रदान करने व घर–घर जाकर जन्म से लेकर पांच वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाने के लिए आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में अगस्त को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। स्थानीय राजकीयय चिकित्सालय से आई प्रशिक्षकों की टीम प्रभारी बी.आर. सारण ने स्वयं सेवकों को सामान्य बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए पल्स पोलियो कार्यक्रम की रणनीति एवं प्रक्रिया के बारे में बताया। पोलियो की रोकथाम, टीकाकरण, बच्चों का टीकाकरण के बाद अंगुली पर निशान करने, डोर टू डोर विजिट करने, दवा की देख–रेख करने आदि बिन्दुओं पर विस्तार से समझाया। टीम के सदस्यों गोपाल सिंह, बजरंग सिंह आदि ने भी पल्स पोलियो पर व्यावहारिक तौर पर की जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में बताया। क्षेत्र के समस्त पोलियो बूथ बार की सूची तैयार की। एन.सी.सी. केयर टेकर नीतू सुथार ने एन.सी.सी. केडेट्स के बारे में अन्य जानकारी दी। एन.सी.सी. केडेट्स के द्वारा एन.सी.सी. गान के उपरान्त कार्यक्रम का समापन किया गया।

Neetu Suthar

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 21.06.2017

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यहाँ 21 जून, 2017 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त तत्वधान में उपखंड प्रशासन के साथ मिलकर आचार्य तुलसी इंटरनशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेंटर में योग दिवस मनाया गया। समारोह का आयोजन एन.सी.सी. केडेट्स व योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के निर्देशन में किया गया। एन.सी.सी. केडेट्स व योग के विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम व ध्यान के प्रयोग कियेय, जिनका निर्देशन डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने किया। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री श्री जीवन मल मालू, जैन विश्वभारती संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर, पंचायत समिति के विकास अधिकारी एन.सी.सी. विभाग की नीतू सुथार आदि ने सहभागिता की और सम्बोधन करते हुये योग की महाता पर प्रकाश डाला व नियमित योगाभ्यास के लिए सबको प्रेरित किया।

Neetu Suthar

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 15.08.2017

(2017–18)

एन.सी.सी. छात्राओं का सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जैन विश्वभारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 3 राज गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. केडेट्स का सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर (8–15 अगस्त, 2017) का आयोजन किया गया। में 3 राज गर्ल्स बटालियन, जोधपुर के सुबेदार साहनी ने एन.सी.सी. से छात्राओं में आत्मविश्वास, साहस, शाक्ति, राष्ट्रभक्ति की भावनाओं का संचार होता है तथा उनमें अनुशासन पैदा होता है, इसमें ड्रील वेपन के साथ सलामी व मेप रिडिंग आदि कि जानकारी दी गई व अन्य कक्षाएं भी संचालित की गई। एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने बताया कि इस सात दिवसीय प्रशिक्षण में छात्राओं को सैद्धांतिक व व्यवहारिक दोनों प्रकार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में 'बी' प्रमाण–पत्र की 31 एवं 'सी' प्रमाण–पत्र की कुल 5 छात्राओं ने भाग लिया।

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 06.12.2017

छात्राओं को दिया गया मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण

जैन विश्वभारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में 6 दिसम्बर, 2017 को छात्राओं के लिए सात दिवसीय मार्शल आर्ट के प्रशिक्षण का आयोजन किय गया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कहा कि आत्मरक्षा हेतु सभी को सदैव तत्पर रहना चाहिए, क्योंकि जरा सी चूक जिन्दगी को नाकाम कर देती है। उन्होंने कहा कि लड़कीयों को अपनी सुरक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए। जयपुर से आई कोच डॉ. प्रीति सोनी एवं प्रीति लाटा ने विद्यार्थियों को दौड़ एवं उछल-कूद करवा कर हाथों व पैरों के माध्यम से अपनी सुरक्षा के कई गुर सिखये। कोच प्रीति सोनी का मानना है कि वर्तमान विश्व में हरेक इंसान को आत्मरक्षा से जुड़ी युक्तियां आनी चाहिए। उन्होंने छात्राओं के पास मौजुद दैनिक वस्तुओं जैसे पेन, हेयरपिन, बैग, सेफ्टीपिन, बोतल आदि को रक्षा उपकरण के रूप में उपयोग कैसे लिया जा सकता है इसका प्रयाग करके दिखाया।

साप्ताहिक मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर का समापन 9 दिसम्बर, 2017 को किया गया, जिसमें जयपुर से आई कोच डॉ. प्रीति सोनी व प्रीति लाटा को प्रावार्य द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। छात्राओं ने अपने-अपने अनुभव को साझा किया। एन.सी.सी. प्रभारी डॉ. जुगल किशोर दाधिच ने आभार ज्ञापित किया।

Kavita

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी - 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 20.03.2018

27वां स्थापना दिवस मनाया गया

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के 27वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर 20 मार्च, 2018 को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. भागीरथ सिंह बिजानिया ने चरित्र निर्माण एवं मानवता के लिए निवेश करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि देश में मुल्यों का जो अवमुल्यन हो रहा है, उसके लिए विश्वविद्यालयों को काम करना होगा। उन्होंने चरित्र निर्माण की शिक्षा को विश्वविद्यालयों के लिए आवश्यक बताया।

समारोह में मुख्य वक्ता हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के कुलपति प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री ने अपने सम्बोधन में अंग्रजों द्वारा स्थापित कि गयी विश्वविद्यालयों की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि इस देश में तक्षशीला, विक्रमशीला आदि के बारे में भी बताया। उन्होंने प्रचीन परम्परा के पुणरोत्थान की आवश्यकता बताई।

एन.सी.सी. केडेट्स ने स्थापना दिवस समारोह की व्यवस्थाओं में सहयोग किया व महिला शिक्षा व महिला जागरूकता पर नाटक की प्रस्तुती दी।

Kavita

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 21.06.2018

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून, 2018 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं जैन विश्व भारती के संयुक्त तत्वाधान में उपखण्ड प्रशासन के साथ मिलकर यहाँ अचार्य तुलसी इंटरनेशनल प्रेक्षा मेडिटेशन सेंटर में योग समारोह का आयोजन किया गया। एन. सी. सी. विभाग और जैन विश्वभारती संस्थान के योग एव जीवन विज्ञान विभाग के निर्देशन में किये गए इस आयोजन में योग के विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण के साथ नागरिकों एवं विद्यार्थियों में विभिन्न योगासन, योगिक क्रियायें, प्रणायाम व ध्यान के प्रयोग किये जिसका निर्देशन डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने प्रदान किया। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के संयुक्त मंत्री श्री जीवन मल मालू, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रमेश कुमार मेहता, पंचायत समिति के विकास अधिकारी व एन. सी. सी. केयर टेकर श्रीमती कविता व्यास, डॉ जुगल किशोर दाधिच ने सहभागिता की और सम्बोधित करते हुये योग की महता पर प्रकाश डाला एवं नियमित योगाभ्यास के लिये सबको प्रेरित किया।

Kavita

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 24.11.2018

एन.सी.सी. स्थापना दिवस का आयोजन

संस्थान के सभी एन.सी.सी. केडेट्स द्वारा समारोह पूर्वक एन.सी.सी. दिवस दिनांक 24.11.2018 को मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलसचिव श्री रमेश कुमार मेहता ने की। सभी केडेट्स ने मार्चपास्ट किया व सलामी दी। इस अवसर पर एन.सी.सी. गीत का संगान किया गया। संस्थान के कुलसचिव ने अपने वक्तव्य में कहा कि एकता व अनुशासन एन.सी.सी. केडेट्स के लिए प्राथमिक आवश्यवकता होती है। एन. सी.सी. में भाग लेने से छात्र जीवन से ही राष्ट्र के प्रति समर्पण व बलिदान की भावना प्रफुल्लित होती है। कर्तव्यनिष्ठा का भाव व्यक्ति के लिए जीवन भर उपयोगी होते हैं तथा वे जीवन को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम होते है। एन.सी.सी. केडेट्स की आकांक्षा व प्रेमलता द्वारा एन.सी.सी. कि उपयोगिता के बारे में अपने–अपने विचार रखे व पवन ने एकल गायन द्वारा अपने भावों को व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री राजू हीरावत, दीपक शर्मा, बलवन्त सेन व एन.सी.सी. छात्राएं उपस्थित रही। अन्त में एन.सी.सी. प्रभारी द्वारा सभी का आभार ज्ञापित किया गया।

Kavita

प्रभारी, एन.सी.सी.
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
Unit of
3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

प्रतिलिपि

1. निजी सचिव, कुलपति
2. निजी सहायक, कुलसचिव
3. निदेशक, IQAC
4. प्रभारी – 3 Raj Girls BN NCC Jodhpur

Scanned with CamScanner

समाज के उत्थान में महिला शिक्षा की उपयोगिता

20 अक्टूबर, 2014 को महिला शिक्षा की आवश्यकता पर संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से 06 से 14 वर्ष की बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता पर बात की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या समणी मल्लिप्रज्ञा ने शिक्षा को शोषण से बचने का प्रभावशाली माध्यम बतलाया। उन्होंने यह भी बतलाया कि आपके पास यदि सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्यक्रम चल रहे हैं तो उनमें अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करना प्रत्येक स्वयं सेवक का दायित्व है। अतः हमें इस दायित्व का निर्वाह भी ईमानदारी से करना चाहिए। इस कार्यक्रम में दोनों इकाई प्रभारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान तथा डॉ. प्रगति भटनागर उपस्थित रहे। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि बालिकाएं शिक्षा से वंचित रहे जाते हैं तो इसका नकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में कन्या भ्रूण हत्या जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 05.08.2014, जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में 1 दिसम्बर, 2016 को भ्रूण हत्या जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या समणी मल्लिप्रज्ञा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या को समाज के लिए एक कलंक बताया। उन्होंने कहा कि आज भी कन्या भ्रूण हत्या एक गंभीर समस्या है और इसके प्रतीक जागरूकता उत्पन्न करना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर एन.एस.एस. की स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने भी अपने विचार रखे तथा गीतों के माध्यम से भी अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने भी अपने विचारों द्वारा छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या प्रति समाज में जागरूकता उत्पन्न करना सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दिनांक 08.03.2015, जैन विश्वभारती संस्थान में 8 मार्च, 2015 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि महिलायें सृष्टि की अनमोल रचना हैं एवं महिला के दम पर ही सृष्टि का सुगम संचालन संभव है। डॉ. धर ने कहा कि महिला दिवस बहस का मुद्दा नहीं बल्कि चिंतन का सोपान है। पुरुष और महिला दोनों को समाज की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने शक्ति के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलायें शिक्षित होने से ही सशक्त बन पायेंगी।

महिला दिवस पर स्वयं सेविकाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने भी महिला सशक्तिकरण का आह्वान किया। डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण तथा अधिकारियों की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में लगभग 200 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या समणी मल्लिप्रज्ञा ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए अपने आपको सशक्त बनाने की प्रेरणा दी।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना "ईकाई – प्रथम"
प्रथम एक दिवसीय शिविर
स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत अभियान
के अन्तर्गत "स्वच्छता अभियान कार्यक्रम"

दिनांक : 02.10.2014

स्थान – जैन विश्वभारती संस्थान,
सहभागी – महिला 100, कुल – 100

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनांक 02.10.2014 को गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत एवं स्वस्थ भारत अभियान के अन्तर्गत एक स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. अनिल धर ने कहा कि आज के युग में स्वच्छता भी मानव जीवन का आधार है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थिति स्वयसेवक–स्वयंसेविकाओं को यह शपथ भी दिलायी की वे अपने आस–पास के क्षेत्रों में हमेशा सफाई रखेंगे एवं लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

प्रथम चरण सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने लाडनूं नगर में एक रैली निकाली। जिसमें संस्थान के सदस्यों ने भी भाग लिया। रैली को एनएसएस द्वितीय ईकाई प्रभारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

Scanned with CamScanner

द्वितीय चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने संस्थान परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

तृतीय चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना के ईकाई प्रथम की प्रभारी श्रीमती प्रगति भटनागर ने सभी स्वयंसेवक एवं सेविकाओं को धन्यवाद दिया। ईकाई प्रथम के प्रभारी डा. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी को यह शपथ दिलायी के हम अपने आस–पास के क्षेत्रों में गंदगी नहीं फैलने देंगे।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना,
जैन विश्वभारती संस्थान,
लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना "ईकाई – प्रथम"
द्वितीय एक दिवसीय शिविर
"स्वयंसेवक आमुखीकरण कार्यक्रम"

दिनांक : 18.10.2014

स्थान – जैन विश्वभारती संस्थान,

सहभागी – महिला 100, कुल – 100

जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा संस्थान परिसर में "स्वयंसेवक आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रथम चरण – कार्यक्रम के प्रथम चरण में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस सत्र में संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, कुलसचिव प्रो. अनिल धर, प्रो. आर.बी.एस. वर्मा, श्री शांतिलाल गोलछा आदि विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संस्थान कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि स्वयंसेवक अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होकर कार्य करें तो महत्वपूर्ण कार्य कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक राष्ट्रीय निर्माण में भूमिका निभायें। उनसे अनेक लोगों को प्रेरणा मिलती है।

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ समणी मल्ली प्रज्ञा ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे हमेशा सजग रहकर कर्त्तव्य निर्वहन करें। समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. आरबीएस वर्मा ने एनएसएस के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

Scanned with CamScanner

संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बी. प्रधान ने स्वागत भाषण एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्रभारी श्रीमती प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन हिमानी कंवर ने किया।

द्वितीय चरण : शिविर के द्वितीय चरण में स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए स्लोगन लिखा एवं प्रस्तुत किया। स्लोगन बच्चों के स्वास्थ्य, महिला स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण आदि पर था। इसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता को पुरस्कार दिया गया।

तृतीय चरण : सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी स्वयंसेवकों व स्वयं सेविकाओं ने हिस्सा लिया।

अन्त के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई–1
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान

Scanned with CamScanner

जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूँ
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट,
तृतीय एक दिवसीय कैम्प

दिनांक 21.03.2015

स्थान – जैन विश्वभारती संस्थान,
सहभागी – महिला 100, कुल – 100

"स्वच्छ भारत अभियान के तहत सौहार्द गमन रैली का आयोजन"

21 मार्च, 2015 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की दोनों इकाइयों ने एक दिवसीय कैम्प का आज आयोजन किया।

प्रथम चरण : इस तृतीय एक दिवसीय कैम्प के प्रथम चरण में एक "सौहार्द गमन एवं स्वच्छ भारत" विषय पर एक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली लाडनूं के मुख्य बाजारों में होती हुई जैन विश्वभारती कैम्पस पहुंची। इस रैली को नागौर, एस. पी. ने हरी झण्डी दिखाकर सुख आश्रम, लाडनूं से रवाना किया।

इसके पश्चात् यह लाडनूं के मुख्य बाजार जैसे सुख आश्रम से बस स्टैण्ड, सब्जी मण्डी, झण्डा चौक, सदर बाजार, सेवकों का चौक, पहली पट्टी होते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के कैम्पस में पहुंची।

Scanned with CamScanner

रैली का मुख्य उद्देश्य लाडनूं नगर के निवासियों को सौहार्द के प्रति सजग बनाना था तथा स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ना था। इसके तहत यह रैली जिन–जिन मार्गों से गुजरी वहां लोगों को स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जानकारी देते हुए निकली।

इस रैली में संस्थान की कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा, कुलसचिव प्रो. अनिल धर एवं संस्थान के सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके साथ–साथ लाडनूं नगर के आस–पास के स्कूलों को भी इस रैली से जोड़ा गया।

डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने रैली के समापन पर सभी को स्वच्छता की शपथ दिलायी और कहा कि हम सब अपने आस–पास के माहौल को साफ–सुथरा रखेंगे।

द्वितीय चरण : इस कैम्प के द्वितीय चरण में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयं सेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस रैली में उपयोग होने वाले होर्डिंग पर सबसे अच्छा स्लोगन लिखने वाले स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को सम्मानित भी किया गया। अन्त में जैन विश्वभारती संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ बिजेन्द्र प्रधान ने सभी सहभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

P. Nagar

(डॉ. पद्मति भटनागर)
कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना,
जैन विश्वभारती संस्थान,
लाडनूं

Scanned with CamScanner

40-41

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान)
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट
सात दिवसीय विशेष शिविर (09–15 जनवरी, 2015)
शिविर का प्रतिवेदन

स्थान :– जैन विश्वभारती संस्थान कैम्पस

उपस्थिति सहभागी :–

महिला – 100, कुल – 100

प्रथम दिन (09.01.2015)

प्रथम चरण –जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ उदघाटन समारोह के साथ दिनांक 09 जनवरी 2015 को संस्थान के सुशीला दानचंद घोड़ावत ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षा संस्थान के कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, विशिष्ट अतिथि डॉ. बी. आर. सहारण, राजकीय चिकित्सालयएवं संस्थान के कुलसचिव डॉ अनिल धर थे। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी का स्वागत करते हुए सात दिवसीय शिविर का उद्देश्य, कार्यक्रम का प्रारूप एवं एवं पल्स पोलियो अभियान पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

40-41

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ बी. आर. साहरण ने स्वयंसेवकों को पल्स पोलियों अभियान की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन के गुर बतायें। कार्यक्रम की अध्यक्षा समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आज का व्याख्यान का विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है इस पर हमें बहुत ही गहराई से विचार करना है। हमें जागरूक होने के जरूरत है जिससे समाज को पल्स पोलियों से मुक्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि एनएसएस सेवा से जुड़ा उपक्रम है। जिससे विद्यार्थी जीवन में सेवा के भावों का सुगमता से विकास किया जा सकता है।

द्वितीय चरण – कार्यक्रम के द्वितीय चरण में राजकीय चिकित्सालय के डॉ बी. आर. साहरण ने अपने व्याख्यान में Pulse-Polioके बारे में विस्तार से बताते हुए स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को निम्न प्रशिक्षण भी दिया–

- पोलियो की दवा पिलाने से पूर्व उस दवा (बोतल) को कैसे पकड़ना चाहिए? उस दवा पर एक आयताकार आकृति बनी हुई होती है उसे ऊपर रखते हुए दवा पकड़नी चाहिए।
- 0–5 वर्ष के सभी बच्चों को पोलियों की खुराक पिलानी है।
- दवा का उपयोग कब नहीं करना चाहिए? जब दवा के उपर बनी गोल आकृति पूरी तरह से काली हो जाये तब उस दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए।

तृतीय चरण –कार्यक्रम के तृतीय चरण में डॉ. सहारण ने अपने व्याख्यान में HIV/AIDS से "जीवन रक्षा" को बड़े ही सुन्दर तरीके से बताया : HIV/AIDS वायरस मानव के शरीर में कैसे प्रवेश करता है? कैसे धीरे–धीरे फैलता है? इसके लक्षण कब दिखाई देते है? मानव इससे कैसे छुटकारा पा सकता है? इसके अतिरिक्त बताया गया कि HIV वायरस के लक्षण मानव शरीर में प्रवेश करने के बाद धीरे–धीरे यह वायरस फैलता है। तीन माह तक यह धीरे–धीरे अपने आप को विकसित करता है और उसके बाद हमारे शरीर में रोगों से लड़ने वाली रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर स्वयं एक विशाल वट की भांति फैलने लगता है।

40-41

चतुर्थ चरण – कार्यक्रम के चतुर्थ चरण में संस्थान के जीवन–विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ विवेक माहेश्वरी ने "भ्रम एवं वास्तविकता" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि भ्रम एवं वास्तविकता दोनों के बारे में विस्तार से बताया एवं इससे मनुष्य के जीवन पर पड़ने वाले विचारों के बारे में भी बताया।

पंचम चरण– कार्यक्रम के पंचम एवं अन्तिम चरण में स्वयं सेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

40-41

द्वितीय दिन (10.01.2015)

शिविर के द्वितीय दिन का कार्यक्रम बाकलिया एवं दुजार गाँव में आयोजित किया गया।

प्रथम चरण में सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं द्वारा बाकलिया एवं दुजार गाँव में एक रैली का आयोजन किया गया जिस जिसके माध्यम से सभी ग्रामवासियों को पल्स पोलियो महाअभियान के महत्व के बारें में बताते हुए जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में गाँव के लोगों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और यह बताया कि सबसे बड़ी, सबसे अच्छी और विशेष मुद्दें, पल्स पोलियों प्रोग्राम से संबंधित विशेष कार्यक्रम बताया क्योंकि यह राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है। इसका मुख्य लक्ष्य पोलियो मुक्त भारत बनाना है।

द्वितीय चरण में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम के सरपच, मुख्य चिकित्सक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, एनएसएस अधिकारी डॉ. बी. प्रधान और श्रीमती प्रगति भटनागर उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ने सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविका को युवा स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि युवा स्वास्थ्य तीन आवरण से बना होता

40-41

है–शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक स्वास्थ्य। उसका विस्तारपूर्वक व्याख्यान किया। इसके पश्चात् स्वयं सेवक एवं सेविकाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धित शंकाओं का समाधान किया।

तृतीय चरण में सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएँ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुँचे और वहाँ पर बच्चों के बीच निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जैसे– रस्सा कसी, 100 मीटर दौड़, सामान्य ज्ञान और मेहन्दी प्रतियोगिता। अवंल रहे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई जैन विश्व भारती संस्थान की ओर से पुरूस्कृत किया गया। अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

चतुर्थ चरण में सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं ने बाकलिया गाँव के घर–घर जाकर बच्चों के शिक्षा स्तर पर एक सर्वे किया एवं शिक्षा के बारे में लोगों को जागरूक किया।

40-41

तृतीय दिन (11.01.2015)

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर के तीसरे दिन पल्स पोलियो अभियान के अन्तर्गत दिनांक 11 जनवरी 2015 को पांच वर्ष से छोटे बच्चों को स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं द्वारा लाडनूं के लगभग 32 बूथों पर पल्स पोलियोरोधी खुराक दी गई। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

चतुर्थ और पंचम दिन (12.01.2015 एवं 13.01.2015)

शिविर के चौथे और पांचवें दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ बिजेन्द्र प्रधान एवं श्रीमती प्रगति भटनागर ने सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं के साथ घर-घर जाकर पल्स पोलियों के प्रति लोगों को जागरुक किया।

छठवें दिन (14.01.2015)

प्रथम चरण :-डॉ. विरेन्द्र भाटी ने देश में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के बारे में बताया और कहा कि आज महिलाओं की सुरक्षा समाज का एक सोचनीय विषय बन गया है। महिलायें स्वयं अपने घर में सुरक्षित नहीं है। घर के अन्दर घरेलु हिंसा से लेकर बाहर तक महिलाओं के साथ आज अपराध बढ़ते जा रहे है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा "घरेलु हिंसा निवारण अधिनियम 2005" बनाया गया जिसमें महिलायें अपने प्रति होने वाली हिंसा के विरूद्ध मुकदमा दाखिल कर न्याय की मांग कर सकती है।

द्वितीय चरण :–इस चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं के लिए कुछ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे स्लोगन, मेंहदी, गायन आदि प्रतियोगिता।

तृतीय चरण में एचआईवी/ऐड्स पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

चौथे चरण में खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी अतिथियों को धन्यवाद देते हुए अगले दिन के कार्यक्रम के बारे में बताया।

सातवां दिन (15.01.2015)

प्रथम चरण :– प्रथम चरण में Blood Donation कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नागौर राजकीय चिकित्सालय के डॉ सुनील के निरीक्षण में एक डॉक्टरों की टीम लाडनूं पहूची। जहाँ एनएसएस के स्वयंसेवकों, सेविकाओं एवं जैन विश्वभारती संस्थान के स्टॉफ सदस्यों द्वारा 19 यूनिट बल्ड डोनेट किया।

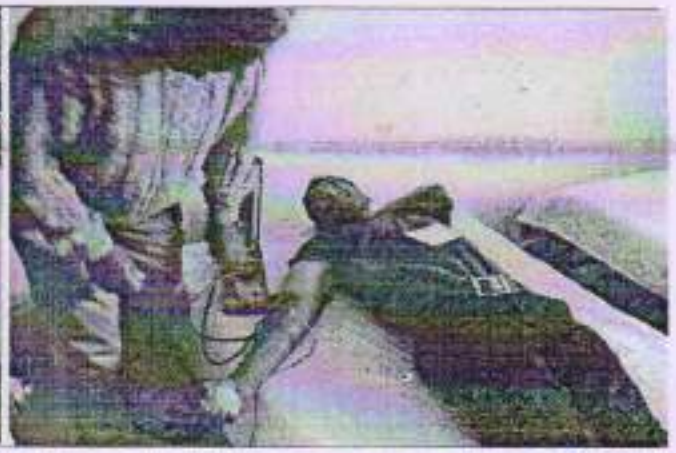

द्वितीय चरण :– राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन समापन कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सुशीला दानचंद धोड़ावत ऑडोटोरियम में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी का स्वागत किया। समापन कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्थान के कुलसचिव डॉ अनिल धर थे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा थी।

सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन राष्ट्रीय सेवा योजना, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रगति भटनागर ने विस्तार पूर्वक प्रस्तुत किया और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाइयों के स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त सहभागियों में से कुछ सहभागियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. समणी मल्ली प्रज्ञा द्वारा सभी को सामुदायिक चेतना, संवेदना, करूणा और सेवाभाव रखने के लिए प्रेरित किया गया और कहा कि दूसरे के दर्द को अपना समझें और उनका समाधान करें। उन्होंने सात दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने भी अपना विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य स्वयं सेवकों की जिम्मेदारियों एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को धन्यवाद दिया। अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम समन्वयक
राष्ट्रीय सेवा योजना,
जैन विश्वभारती संस्थान,
लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन

दिनांक 08.09.2014, जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का आह्वान करते हुए कहा कि साक्षरता मिशन में अपनी महत्त्वपूर्ण भागीदारी निभाना सभी स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं का एक महत्त्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने छात्राओं को गांवों में जाकर लोगों को साक्षर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वयं सेविकाओं द्वारा साक्षरता गीत, कविता आदि के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति दी।

कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने भी अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के महत्त्व को बताया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने भी अपनी सहभागिता निभाई। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने किया।

कार्यक्रम अधिकारी
एन.एस.एस.,
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में 17 सितम्बर, 2014 को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

17 सितम्बर, 2014, जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में 17 सितम्बर, 2014 को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या समणी मल्लीप्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। इसते तहत स्वयंसेवक एवं सेविकाओं ने विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न छायादार वृक्षारोपण किया।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि भविष्य में पर्यावरण की महत्ता को ध्यान में रखते हुए हमें समय रहते ही इसके महत्त्व एवं सद्उपयोग को समझना होगा ताकि ईश्वर द्वारा प्रदत्त यह धरोहर मानव कल्याण हेतु चिरस्थाई बनी रहे।

इस कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा किया गया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एन.एस.एस. दिवस का आयोजन

दिनांक 24.09.2014, जैन विश्वभारती संस्थान में दिनांक 24 सितम्बर, 2014 को एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एन.एस.एस. दिवस का आयोजन आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या समणी मल्लीप्रज्ञा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ एन.एस.एस. गीत द्वारा किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने अपने वक्तव्य में एन.एस.एस. के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। स्वयं सेविका सारिका अग्रवाल ने एन.एस.एस. लोगो का अर्थ समझाकर एन.एस.एस. स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को निरन्तर राष्ट्र एवं सामाजिक सेवा में गतिशील रहने का संदेश दिया। स्वयं सेविका ज्योति नागपुरिया ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि एन.एस.एस. के कार्यक्रम छात्र–छात्राओं को राष्ट्र एवं सामाजिक सेवा का मंच प्रदान करते हैं एवं उन्होंने स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का आवाहन करते हुए उन्हें सदैव सामाजिक एवं राष्ट्र सेवा सम्बन्धी कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एड्स दिवस का आयोजन

दिनांक 01.12.2014, जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में 1 दिसम्बर, 2014 को एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने रेड रिबन द्वारा एड्स चिन्ह निर्मित कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को वितरित किये। इस अवसर पर स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा बाकलिया गांव में एड्स जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसके द्वारा एड्स के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने एच.आई.वी./एड्स वायरस से जीवन रक्षा कैसे की जाती है? यह वायरस कैसे मानव शरीर में पहुंचता है? कैसे अपने आपको विकसित करता है एवं हमारे शरीर में रोग से लड़ने वाली रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट करता है की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि एड्स से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है अपितु इसके प्रति जागरूक रहने की एवं समाज में इसके प्रति जागरूकता उत्पन्न करना सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में ब्लड डोनेशन शिविर का आयोजन

15.01.2015, जैन विश्वभारती संस्थान में 15.01.2015 को ब्लड डोनेशन कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। इसके लिए नागौर राजकीय चिकित्सालय के डॉ. सुनील के निरीक्षण में डॉक्टरों की टीम लाडनूं पहुंची। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवक, सेविकाओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने भी अपनी सहभागिता का निर्वहन किया। इस शिविर में 19 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इस कार्यक्रम क आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय में संचालित एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह 18–25 जनवरी, 2015 को आयोजित

18 जनवरी, 2015, जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जैसे– नारा लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत बाकलिया ग्राम (लाडनू) के सरकारी विद्यालय में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया अया तथा साथ ही जनजागृति हेतु गांव में एक रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जो ग्रामीणों द्वारा सराहा गया।

कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा किया गया।

P Nagati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम : 25.01.2015
(एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में)

जैन विश्वभारती संस्थान में 25 जनवरी, 2015 को नेशनल वोटर्स डे के दौरान मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संपादन आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या समणी मल्लीप्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उन्होंने सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का आह्‌वन करते हुए कहा कि मतदान हमें अवश्य करना चाहिए एवं यह एक जिम्मेदार नागरिक का प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वोट का अपना महत्त्व है। अतः हमें अपना मतदान अपपने विवेक से बिना किसी प्रलोभन या बहकावे में आये करना चाहिए। हमारा मत राष्ट्र को एक अच्छी सरकार के चयन में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके बाद बाकलिया गांव में स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा एक मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया। इसमें 198 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने भाग लिया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना "ईकाई – प्रथम"
एक दिवसीय शिविर
"स्वयंसेवक आमुखीकरण कार्यक्रम"

उपस्थिति सहभागी :–

पुरुष – 00, महिला– 96, कुल – 96

दिनांक : 24.09.2015

जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा संस्थान परिसर में एनएसएस दिवस के अवसर पर "स्वयंसेवक आमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत एनएसएस गीत से की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बिजेन्द्र प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर ने की।

प्रथम चरण – उद्घाटन

शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने कहा कि स्वयंसेवक अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा सजग रहकर कर्तव्य निर्वहन करे तो महत्वपूर्ण कार्य कर सकता है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक राष्ट्रीय निर्माण में भूमिका निभाये। उनसे अनेक लोगों को प्रेरण मिलती है।

एनएसएस प्रथम ईकाई की समन्वयक डॉ. प्रगति भटनागर ने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि समर्पित होकर कार्य करें एवं अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करें। समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. आरबीएस वर्मा ने एनएसएस के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

द्वितीय चरण –

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में स्वयंसेवकों ने संस्थान में साफ–सफाई का कार्य किया तथा एनएसएस स्थापना दिवस के मौके पर व्यक्तिगत सफाई एवं सामुदायिक स्वच्छता हेतु संकल्प लिया।

तृतीय चरण –

शिविर के तृतीय चरण में स्लोगन प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी स्वयंसेवकों व स्वयं सेविकाओं ने हिस्सा लिया।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान

40-41

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना "ईकाई – प्रथम"
द्वितीय एक दिवसीय शिविर
"स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प"

उपस्थिति सहभागी :–

पुरुष – 00, महिला– 100, कुल – 100

दिनांक : 14.10.2015

प्रथम चरण –

द्वितीय एक दिवसीय शिविर के उद्घाटन संस्थान की कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा ने किया। जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा संस्थान परिसर मे एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय चिकित्सालय नुजानगढ की प्रमुख चिकित्सक डॉ अल्का गुप्ता मुख्य चिकित्सक के रूप में उपस्थित थी।

इस शिविर मे संस्थान में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों ने पूरा लाभ उठाया। इस शिविर के अन्तर्गत खून की जांच, ब्लड़-प्रेशर, हृदय गति की जांच, शरीर की जांच इत्यादि की जांच की गई। इस शिविर ने संस्थान के योग एवं जीवन-विज्ञान विभाग के स्वयंसेवकों ने भी विभिन्न प्रकार की जाँच में डॉ. अल्का गुप्ता का सहयोग किया।

लगभग 800 व्यक्तियों ने LIPID Profile की जांच की गई। जांच के लिए आने वाले व्यक्तियों की स्वयंसेवकों ने भरपूर मदद की। अन्त मे एनएसएस के द्वितीय ईकाई के समन्वयक डॉ बिजेन्द्र प्रधान ने डॉ अल्का गुप्ता एवं सभी स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान

40-41

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट,
तृतीय एक दिवसीय कैम्प

उपस्थिति सहभागी :-

पुरुष – 00, महिला– 96, कुल – 96

दिनांक : 13.01.2016

"नशा मुक्त भारत एवं पोलिथीन मुक्त भारत रैली का आयोजन"

13.01.2016 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की दोनों इकाइयों ने एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया ।

प्रथम चरण –

इस तृतीय एकदिवसीय कैम्प के प्रथम चरण में एक " नशा मुक्त भारत एवं पोलिथीन मुक्त भारत" विषय पर एक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली लाडनू के मुख्य बाजारों में होती हुई जैन विश्वभारती कैम्पस पहुची। इस रैली को एसडीएम, लाडनूं ने हरी झण्डी दिखाकर सुख आश्रम, लाडनूं से रवाना किया। इस रैली को लाडनूं की मेयर, पुलिस अधीक्षक एवं संस्थान के अन्य गणमान्य अधिकारियों ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इसके पश्चात् यह लाडनूं के मुख्य बाजार जैसे सुख आश्रम से बस स्टैण्ड, सब्जीमण्डी, झण्डा चौक, सदरबाजार, सेवकों का चौक, पहली पट्टी होते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के कैम्पस में पहुंची।

रैली का मुख्य उद्देश्य लाडनूं नगर के निवासियों को सौहार्द के प्रति सजग बनाना था तथा स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ना था। इसके तहत यह रैली जिन-जिन मार्गों से गुजरी वहां लोगों को नशा एवं पालिथीन मुक्त भारत अभियान के बारें में जानकारी देते हुए निकली।

इस रैली में संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, कुलसचिव प्रो. अनिल धर एवं संस्थान के सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके साथ–साथ लाडनूं नगर के आस–पास के स्कूलों को भी इस रैली से जोड़ा गया। डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने रैली के समापन पर सभी को पोलिथीन मुक्त भारत बनाने की एवं हम सब अपने आस–पास के माहौल को साफ–सुथरा रखने की शपथ दिलायी।

द्वितीय चरण –

इस कैम्प के द्वितीय चरण में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस रैली में सबसे अच्छा स्लोगन लिखने वाले स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को सम्मानित भी किया गया।

अन्त में जैन विश्वभारती संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने सभी सहभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान

शिक्षा मानव विकास का प्रमुख माध्यम

15 जुलाई, 2015 को महिला शिक्षा की आवश्यकता पर संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से 06 से 14 वर्ष की बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता पर बात की गई। मुख्य वक्ता प्रो. बी.एल. जैन (विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग) ने शिक्षा को शोषण से बचने का प्रभावशाली माध्यम बतलाया। उन्होंने यह भी बतलाया कि आपके पास यदि सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्यक्रम चल रहे हैं तो उनमें अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करना प्रत्येक स्वयं सेवक का दायित्व है। अतः हमें इस दायित्व का निर्वाह भी ईमानदारी से करना चाहिए। इस कार्यक्रम में दोनों इकाई प्रभारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान तथा डॉ. प्रगति भटनागर उपस्थित रहे। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. समणी मल्लिप्रज्ञा ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि बालिकाएं शिक्षा से वंचित रहे जाते हैं तो इसका नकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना "इकाई – प्रथम"
द्वितीय एक दिवसीय शिविर
"स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प"

उपस्थिति सामग्री :-

पुरुष – 00, महिला– 100, कुल – 100

दिनांक : 14.10.2015

प्रथम वर्ष –

द्वितीय एक दिवसीय शिविर के उदघाटन संस्थान की कुलपति समणी स्थितिप्रज्ञा ने किया। जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों द्वारा संस्थान परिसर में एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय चिकित्सालय सुजानगढ की प्रमुख चिकित्सक डॉ अल्का गुप्ता मुख्य चिकित्सक के रूप में उपस्थित थी।

इस शिविर में संस्थान में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों ने पूरा लाभ उठाया। इस शिविर के अन्तर्गत खून की जांच, ब्लड-प्रेशर, हृदय गति की जांच, शरीर की जांच इत्यादि की जांच की गई। इस शिविर में संस्थान के योग एवं जीवन-विज्ञान विभाग के स्वयंसेवकों ने भी विभिन्न प्रकार की जाँच में डॉ. अल्का गुप्ता का सहयोग किया।

लगभग 800 व्यक्तियों ने LIPID Profile की जांच की गई। जांच के लिए आने वाले व्यक्तियों की स्वयंसेवकों ने भरपूर मदद की। अन्त में एनएसएस के द्वितीय ईकाई के समन्वयक डॉ बिजेन्द्र प्रधान ने डॉ अल्का गुप्ता एवं सभी स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया।

Prragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनू, राजस्थान

Scanned with CamScanner

40-41

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट,
तृतीय एक दिवसीय कैम्प

उपस्थिति सहभागी :-

पुरुष – 00, महिला– 96, कुल – 96

दिनांक : 13.01.2016

"नशा मुक्त भारत एवं पोलिथीन मुक्त भारत रैली का आयोजन"

13.01.2016 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की दोनों इकाइयों ने एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया ।

प्रथम चरण –

इस तृतीय एकदिवसीय कैम्प के प्रथम चरण में एक " नशा मुक्त भारत एवं पोलिथीन मुक्त भारत" विषय पर एक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली लाडनू के मुख्य बाजारों में होती हुई जैन विश्वभारती कैम्पस पहुची। इस रैली को एसडीएम, लाडनूं ने हरी झण्डी दिखाकर सुख आश्रम, लाडनूं से रवाना किया। इस रैली को लाडनूं की मेयर, पुलिस अधीक्षक एवं संस्थान के अन्य गणमान्य अधिकारियों ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इसके पश्चात् यह लाडनूं के मुख्य बाजार जैसे सुख आश्रम से बस स्टैण्ड, सब्जीमण्डी, झण्डा चौक, सदरबाजार, सेवकों का चौक, पहली पट्टी होते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के कैम्पस में पहुंची।

रैली का मुख्य उद्देश्य लाडनूं नगर के निवासियों को सौहार्द के प्रति सजग बनाना था तथा स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ना था। इसके तहत यह रैली जिन-जिन मार्गों से गुजरी वहां लोगों को नशा एवं पालिथीन मुक्त भारत अभियान के बारें में जानकारी देते हुए निकली।

इस रैली में संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, कुलसचिव प्रो. अनिल धर एवं संस्थान के सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके साथ-साथ लाडनूं नगर के आस-पास के स्कूलों को भी इस रैली से जोड़ा गया। डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने रैली के समापन पर सभी को पोलिथीन मुक्त भारत बनाने की एव हम सब अपने आस-पास के माहौल को साफ-सुथरा रखने की शपथ दिलायी।

द्वितीय चरण –

इस कैम्प के द्वितीय चरण में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इस रैली में सबसे अच्छा स्लोगन लिखने वाले स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को सम्मानित भी किया गया।

अन्त में जैन विश्वभारती संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने सभी सहभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई-1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान

40-41

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान)
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट
सात दिवसीय विशेष शिविर (15–21 जनवरी, 2016)
शिविर का प्रतिवेदन

स्थान :– जैन विश्वभारती संस्थान कैम्पस

उपस्थिति सहभागी :–

पुरुष – 00, महिला – 50, कुल – 50

प्रथम दिन (15.01.2016)

प्रथम चरण –जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारम्भ दिनांक 15 जनवरी 2016 को संस्थान के सुशीला दानचंद धोकावत ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षा संस्थान के कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, विशिष्ट अतिथि राजकीय चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सक एवं संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर थे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी का स्वागत करते हुए सात दिवसीय शिविर का उद्देश्य, कार्यक्रम का प्रारूप एवं एवं पल्स पोलियो अभियान पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ बी. आर. साहरण ने स्वयंसेवकों को पल्स पोलियो अभियान की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन के गुर बतायें। कार्यक्रम की अध्यक्षा समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि आज का व्याख्यान का विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है इस पर हमें बहुत ही गहराई से विचार करना है। हमें जागरूक होने के जरूरत है जिससे समाज को पल्स पोलियों से मुक्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि एनएसएस सेवा से जुड़ा उपक्रम है। जिससे विद्यार्थी जीवन में सेवा के भावों का सुगमता से विकास किया जा सकता है।

द्वितीय चरण – कार्यक्रम के द्वितीय चरण में राजकीय चिकित्सालय के डॉक्टर ने अपने व्याख्यान में Pulse-Polio के बारे में विस्तार से बताते हुए स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं को निम्न प्रशिक्षण भी दिया–

- पोलियो की दवा पिलाने से पूर्व उस दवा (बोतल) को कैसे पकड़ना चाहिए? उस दवा पर एक आयताकार आकृति बनी हुई होती है उसे ऊपर रखते हुए दवा पकड़नी चाहिए।
- 0-5 वर्ष के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलानी है।
- दवा का उपयोग कब नहीं करना चाहिए? जब दवा के ऊपर बनी गोल आकृति पूरी तरह से काली हो जाये तब उस दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए।

तृतीय चरण –कार्यक्रम के तृतीय चरण में डॉ. बाकोलिया ने अपने व्याख्यान में HIV/AIDS से 'जीवन रक्षा' को बड़े ही सुन्दर तरीके से बताया। HIV/AIDS वायरस मानव के शरीर में कैसे प्रवेश करता है? कैसे धीरे–धीरे फैलता है? इसके लक्षण कब दिखाई देते है? मानव इससे कैसे छुटकारा पा सकता है? इसके अतिरिक्त बताया गया कि HIV वायरस के लक्षण मानव शरीर में प्रवेश करने के बाद धीरे–धीरे यह वायरस फैलता है। तीन माह तक यह धीरे–धीरे अपने आप को विकसित करता है और उसके बाद हमारे शरीर में रोगों से लडने वाली रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर स्वयं एक विशाल वट की भांति फैलने लगता है।

चतुर्थ चरण – कार्यक्रम के चतुर्थ चरण में संस्थान के योग एवं जीवन–विज्ञान विभाग के सह आचार्या एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ समणी मल्ली प्रज्ञा ने 'योग एवं जीवन' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि योग को दैनिक जीवन में उतारने के बारे में विस्तार से बताया एवं इससे मनुष्य के जीवन पर पड़ने वाले विचारों के बारे में भी बताया।

पंचम चरण– कार्यक्रम के पंचम एवं अन्तिम चरण में स्वयं सेवकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

द्वितीय दिन (16.01.2016)

शिविर के द्वितीय दिन का कार्यक्रम निम्बी जोधा एवं मंगलपुरा गाँव में आयोजित किया गया।

प्रथम चरण में सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं द्वारा गाँव में एक रैली का आयोजन किया गया जिस जिसके माध्यम से सभी ग्रामवासियों को पल्स पोलियो महाअभियान के महत्व के बारे में बताते हुए जागरूक किया गया।

द्वितीय चरण में सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाएँ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुँचे और वहाँ पर बच्चों के बीच निम्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जैसे– रस्सा कसी, 100 मीटर दौड़, सामान्य ज्ञान और मेहन्दी प्रतियोगिता।

अंचल रहे विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई जैन विश्व भारती संस्थान की ओर से पुरस्कृत किया गया। अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

तृतीय चरण में सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं ने गाँव के घर-घर जाकर बच्चों के शिक्षा स्तर पर एक सर्वे किया एवं शिक्षा के बारे में लोगों को जागरूक किया।

तृतीय दिन (17.01.2016)

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर के तीसरे दिन पल्स पोलियो अभियान के अन्तर्गत दिनांक 17 जनवरी 2016 को पांच वर्ष से छोटे बच्चों को स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं द्वारा लाडनूं के लगभग 32 बूथों पर पल्स पोलियोरोधी खुराक दी गई। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

चतुर्थ और पंचम दिन (18.01.2016 एवं 19.01.2016)

शिविर के चौथे और पांचवें दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ बिजेन्द्र प्रधान एवं श्रीमती प्रगति भटनागर ने सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं के साथ घर-घर जाकर पल्स पोलियो के प्रति लोगों को जागरूक किया।

छठवें दिन (20.01.2016)

प्रथम चरण :–डॉ. विरेन्द्र भाटी ने देश में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध के बारे में बताया और कहा कि आज महिलाओं की सुरक्षा समाज का एक सोचनीय विशय बन गया है। महिलायें स्वयं अपने घर में सुरक्षित नही है। घर के अन्दर घरेलु हिंसा से लेकर बाहर तक महिलाओं के साथ आज अपराध बढ़ते जा रहे है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा "घरेलु हिंसा निवारण अधिनियम 2005" बनाया गया जिसमें महिलायें अपने प्रति होने वाली हिंसा के विरूद्ध मुकदमा दाखिल कर न्याय की मांग कर सकती है।

द्वितीय चरण :–इस चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक और स्वयंसेविकाओं ने जैन विश्वभारती संस्थान के कैम्पस को स्वच्छ बनाने के लिए श्रमदान किया।

कार्यक्रम के अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी अतिथियों को धन्यवाद देते हुए अगले दिन के कार्यक्रम के बारे में बताया।

सातवां दिन (21.01.2016)

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें दिन समापन कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सुशीला दानचंद धोड़ावत ऑडोटोरियम में किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी का स्वागत किया। समापन कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्थान के कुलसचिव डॉ अनिल धर थे। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा थीं।

सात दिवसीय कार्यक्रम का प्रतिवेदन राष्ट्रीय सेवा योजना, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रगति भटनागर ने विस्तार पूर्वक प्रस्तुत किया और कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाइयों के स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त सहभागियों में से कुछ सहभागियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. समणी मल्ली प्रज्ञा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य स्वयं सेवकों की जिम्मेदारियें एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने भी अपना विचार व्यक्त करते हुए सभी को सामुदायिक चेतना, संवेदना, करूणा और सेवाभाव रखने के लिए प्रेरित किया गया और कहा कि दूसरे के दर्द को अपना समझें और उनका समाधान करें। उन्होंने सात दिवसीय कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने सभी को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान
लाडनूं, राजस्थान

स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन

दिनांक 16 सितम्बर, 2015

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्त्वावधान में एक स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा लाडनूं शहर के मुख्य मार्गों से एक जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता सम्बन्धी नारों द्वारा लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम प्रभारी डॉ. प्रगति भटनागर एवं इकाई द्वितीय प्रभारी डॉ. बी. प्रधान के निर्देशन में किया गया।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)

एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में वृक्षारोपण का कार्यक्रम

24.07.2015, जैन विश्वभारती संस्थान में 24 जुलाई 2015 को वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने नीम, पीपल, अनार आदि के लगभग 50 पौधे विश्वविद्यालयपरिसर में लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर ने भी वृक्षों एवं पेड़–पौधों की उपयोगिता का मानव जीवन में महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत किया जाने वाला एक प्रमुख एवं नियमित कार्यक्रम है जिसके माध्यम से स्वयं सेवक एवं सेविकायें पर्यावरण जागरूकता का संदेश देते हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकगणों ने भी इस कार्यक्रम में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। वृक्षारोपण के कार्यक्रम में लगभग स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने अपनी भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का आयोजन : दिनांक 08.09.2015 (एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में)

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या समणी मल्लीप्रज्ञा की अध्यक्षता में किया गया। समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि साक्षर नागरिक ही एक राष्ट्र के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है। उन्होंने स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का आवाह्न करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रमुख उद्देश्य ही सामाजिक चेतना से राष्ट्र उत्थान करना है एवं साक्षरता अभियान में स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को बढ़–चढ़कर भाग लेना चाहिए। उन्होंने गांवों में जाकर स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को लोगों को साक्षर बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वयं सेविकाओं ने भी अपने विचार, गीत, कविता एवं नाटिका के माध्यम से प्रेक्षित किये। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं सेविकायें साक्षरता मिशन में अपनी महती भूमिका का निर्वहन करते हैं। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने किया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में कन्या भ्रूण हत्या जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 06.03.2016, जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में 6 मार्च, 2016 को भ्रूण हत्या जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या समणी मल्लिप्रज्ञा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या को समाज के लिए एक कलंक बताया। उन्होंने कहा कि आज भी कन्या भ्रूण हत्या एक गंभीर समस्या है और इसके प्रतीक जागरूकता उत्पन्न करना बहुत जरूरी है। इस मौके पर दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे तथा इस अभिशाप से समाज को मुक्त कराने हेतु छात्राओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. की स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने भी अपने विचार रखे तथा गीतों के माध्यम से भी अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने भी अपने विचारों द्वारा छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या प्रति समाज में जागरूकता उत्पन्न करना सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एन.एस.एस. दिवस का आयोजन

जैन विश्वभारती संस्थान में दिनांक 24.09.2015 को एन.एस.एस. दिवस का आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ एन.एस.एस. गीत द्वारा किया गया। एन.एस.एस. द्वितीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विजेन्द्र प्रधान ने स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का आवाहन किया तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश भी दिया। प्रथम इकाई की समन्वयक डॉ. प्रगति भटनागर ने कहा कि स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं को हमेशा समाज हित के कार्यों में संलग्न रहना चाहिए एवं समर्पित भाव से अपना कार्य करना चाहिए। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर.बी.एस. वर्मा ने एन.एस.एस. के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला इस अवसर पर समाज सेवक एवं सेविकाओं द्वारा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता हेतु संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में 200 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं की सहभागिता रही।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एड्स दिवस का आयोजन

दिनांक 01.12.2015, जैन विश्वभारती संस्थान में दिनांक 1 दिसम्बर, 2015 को एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों द्वारा एड्स जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने विश्व एड्स दिवस की भूमिका पर प्रकाश डाला। स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने विश्वविद्यालय में रेड रिबन के प्रतीत चिन्ह वितरित कर एड्स जागरूकता का संदेश दिया। स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा लाडनूं शहर में एड्स जागरूकता रैली का आयोजन भी किया गया जिसमें लगभग 195 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर एन.एस.एस. प्रथम इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन?

25 जनवरी, 2016, जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में नेशनल वोटर्स डे के दिन मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में बोलते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मतदान वही कर सकता है जिसका मतदाता सूची में नाम हो। इसलिए जिसकी भी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है वे अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वायें। यह कार्य आपके क्षेत्र में नियुक्त किये गये बी.एल.ओ. के माध्यम से किया जा सकता है। मतदाता सूची में नाम आने के पश्चात् आप अपना मत उसी को दें जिसकी छवि अच्छी हो तथा जो समाज विकास में अपना योगदान दे सकें। ध्यान रहे आप किसी प्रलोभन में न आयें। अपना बहुमूल्य वोट देकर एक अच्छी सरकार के गठन में अपना योगदान दे एवं एक योग्य नागरिक होने का परिचय दें। इस अवसर पर स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में लगभग 197 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने भाग लिया एवं लाडनूं शहर में मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन : 18–25 जनवरी, 2016

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन जैसे– पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इसके तहत सड़क सुरक्षा सप्ताह सम्बन्धित डाक्यूमेन्ट्रिज दिखाकर स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं में जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। इस दौरान लाडनूं शहर में स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा एक जनजागृति रैली का भी आयोजन किया गया जिसमें सड़क सुरक्षा सम्बन्धी नारों के द्वारा जनचेतना जाग्रत करने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन दोनों कार्यक्रमों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया। इस कार्यक्रम में 182 स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दिनांक 08.03.2016, जैन विश्वभारती संस्थान में 8 मार्च, 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव डॉ. अनिल धर ने कहा कि महिलायें सृष्टि की अनमोल रचना हैं एवं महिला के दम पर ही सृष्टि का सुगम संचालन संभव है। डॉ. धर ने कहा कि महिला दिवस बहस का मुद्दा नहीं बल्कि चिंतन का सोपान है। पुरुष और महिला दोनों को समाज की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने शक्ति के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलायें शिक्षित होने से ही सशक्त बन पायेंगी।

महिला दिवस पर स्वयं सेविकाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने भी महिला सशक्तिकरण का आह्वान किया। डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण तथा अधिकारियों की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में लगभग 200 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं की सहभागिता रही।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं राजस्थान

एक दिवसीय कैम्प का आयोजन-स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

कार्यक्रम का प्रतिवेदन

दिनांक 10.11.2017

कुल स्वयंसेवक – 100

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बाकलिया – 200 छात्र

गांव के लोग – 60

राष्ट्रीय सेवा योजना जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कैम्प का आयोजन आज दिनांक 10.11.2017 को राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. बिजेन्द्र प्रधान के संयोजन में बाकलिया गाँव में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में स्वच्छता जागरूकता रैली राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से निकाली गई। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं तथा विद्यालय के छात्र – छात्राओं (लगभग 360) और गांव के लगभग 60 लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। रैली का शुभारम्भ स्कूल प्रांगण से गांव के सरपंच [illegible], ग्रामसेवक श्री [illegible] सिंह, वार्ड पंच श्री अर्जुन सिंह विद्यालय के प्राचार्य श्री अर्जुन राणा, श्री सतीश कुमार और सुरेन्द्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

Scanned with CamScanner

रैली स्कूल से होते हुए गांव के विभिन्न सड़को मोहल्लों एवं गलियों से होते हुए स्कूल प्रांगण में आकर सभा में तबदिल हो गई।

दुसरे चरण में "बाकलिया गांव को स्वच्छ बनाने में योगदान" पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं तथा विद्यालय के छात्र – छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम के विजेता विद्यालय की प्रियंका प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान हेमलता शर्मा (आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय) और तृतीय स्थान सुमन ने प्राप्त किया।

Scanned with CamScanner

तृतीय चरण में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय "बाकलिया को स्वच्छ एवं हरा भरा बनाना" इस प्रतियोगिता में राजकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार थे – प्रथम स्थान गोमती, द्वितीय राकेश भाटी एवं तृतीय स्थान रेखा ने प्राप्त किया।

चौथे चरण में स्कूल के प्रधानाचार्य श्री अर्जुन सिंह राणा, अध्यापक सतीश कुमार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. विजेन्द्र प्रधान ने स्वच्छता पर अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम के अन्त मे विजेताओं को मंच पर विराजमान विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अर्जुन सिंह राणा, अध्यापक श्री सतीश कुमार, स्कूल की अध्यापिकाओं तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. विजेन्द्र प्रधान, विभागाध्यक्ष, समाजकार्य विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, डॉ. प्रगति भटनागर, कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के द्वारा पुरस्कार दिये गये।

कार्यक्रम के दौरान समाज कार्य विभाग के श्री इन्द्रा राम पुनिया, सहायक क्षेत्रीय पर्यवेक्षक और समाज कार्य के छात्र – छात्राएं उपस्थित थे।

अन्त मे राष्ट्रीय सेवा योजना, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगती भटनागर ने सभी का अभिवादन किया।

Pragati

डॉ. प्रगति भटनागर
समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनू

Scanned with CamScanner

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट,
द्वितीय एक दिवसीय कैम्प

उपस्थिति सहभागी :-

पुरूष –, महिला–, कुल– 100

दिनांक : 20.03.2018

"स्वच्छ भारत अभियान के तहत सौहार्द गमन रैली का आयोजन"

20.03.2018 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की दोनों इकाइयों ने एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया।

प्रथम चरण–

इस तृतीय एक दिवसीय कैम्प के प्रथम चरण में एक "सौहार्द गमन एवं स्वच्छ भारत" विषय पर एक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली लाडनूं के मुख्य बाजारों में होती हुई जैन विश्वभारती कैम्पस पहुंची। इस रैली लाडनूं के मुख्य बाजारों में होती हुई जैन विश्वभारती कैम्पस पहुंची। इस रैली को नागौर, एस.पी. ने हरी झण्डी दिखाकर सुख आश्रम, लाडनूं से रवाना किया।

इसके पश्चात् यह लाडनूं के मुख्य बाजार जैसे सुख आश्रम से बस स्टैण्ड, सब्जी मण्डी, झण्डा चौक, सदर बाजार, सेवकों का चौक, पहली पट्टी होते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के कैम्पस में पहुंची।

द्वितीय चरण–

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में स्वयंसेवकों ने संस्थान में साफ–सफाई का कार्य किया तथा इस मौके पर व्यक्तिगत सफाई एवं सामुदायिक स्वच्छता हेतु संकल्प लिया।

तृतीय चरण–

शिविर के तृतीय चरण में स्लोगन प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सभी स्वंयसेवकों व स्वयंसेवीकाओं ने हिस्सा लिया।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकार
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

आचार्य कालूकन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं
राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम यूनिट,
वृतीय एक दिवसीय कैम्प

उपस्थितिसहभागी :–

पुरूष –00, महिला– 96, कुल– 96

दिनांक : 28.03.2018

"नशा मुक्त भारत एवं पोलिथीन मुक्त भारत रैली का आयोजन"

28.03.2018 को जैन विश्वभारती संस्थान एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की दोनों इकाइयों ने एक दिवसीय कैम्प का आयोजन किया।

प्रथमचरण–

इस चरण एकदिवसीय कैम्प के प्रथम चरण में एक "नशा मुक्त भारत एवं पोलिथीन मुक्त भारत" विषय पर एक रैली का आयोजन किया गया। यह रैली लाडनूं के मुख्य बाजारों में होती हुई जैन विश्वभारती कैम्पस पहुंची। इस रैली को एसडीएम, लाडनूं ने हरी झण्डी दिखाकर सुख आश्रम, लाडनूं से रवाना किया। इस रैली को लाडनूं की मेयर, पुलिस अधीक्षक एवं संस्थान के अन्य गणमान्य अधिकारियों ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इसके पश्चात् यह लाडनूं के मुख्य बाजार जैसे सुख आश्रम से बस स्टैण्ड, सब्जी मण्डी, झण्डा चौक, सदर बाजार, सेवकों का चौक, पहली पट्टी होते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के कैम्पस में पहुंची।

Scanned with CamScanner

इस रैली का मुख्य उद्देश्य लाडनू नगर के निवासियों को सफाई के प्रति सजग बनाना था स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ना था।इसके तहत यह रैली जिन–जिन मार्गों से गुजरी वहा लोगों को नशा एवं पॉलिथीन मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी देते हुए निकली।

इस रैली में संस्थान की कुलपति प्रो. बी.आर. दुगड़, कुलसचिव श्री विनोद कुमार बनवड़ एवं संस्थान के सभी सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके साथ–साथ लाडनू नगर के आस–पास के स्कूलों को भी इस रैली से जोड़ा गया।

डॉ. जुगल दाधीच ने रैली के समापन पर सभी को पोलिथीन मुक्त भारत बनाने की एवं हम सब अपने आस–पास के माहौल को साफ–सुथरा रखने की शपथ दिलायी।

द्वितीय चरण–

इस कैम्प के द्वितीय चरण में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने बढचढ कर हिस्सा लिया। इस रैली में सबसे अच्छा स्लोगन लिखने वाले स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं को सम्मानित भी किया गया।

अन्त में जैनविश्वभारती संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी ने सभी सहभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणाकी।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रमअधिकार
रा.से.यो. इकाई–1
आचार्यकालूकन्यामहाविद्यालय
जैनविश्वभारतीसंस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं

राष्ट्रीय सेवा योजना (प्रथम इकाई)

सात दिवसीय विशेष शिविर

दिनांक :- 27 जनवरी, 2018 से 2 फरवरी, 2018

शिविर प्रतिवेदन

स्थान – जैन विश्वभारती परिसर

उपस्थित सहभागी

महिला – 100

पुरूष – 00

कुल – 100

प्रथम दिन (27.01.2018)

प्रथम चरण –

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के उद्घाटन सत्र का आयोजन महाप्रज्ञ महाश्रमण ऑडिटोरियम में समारोह पूर्वक किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागौर जिला पुलिस अधिक्षक पारिस देशमुख ने कहा कि हिंसा के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, रूपी पाँच दोष होते है इन दोषों से परे कोई अपराध नहीं होता जो व्यक्ति , दोषों का शिकार होता है उसी के दिमाग में अपराध का विचार आता है। समाज में अगर पूर्ण अहिंसा का माहौल देखना चाहते हैं तो हिंसा के जनक इन दोषों पर विजय पाना आवश्यक है।

कार्यक्रम की अध्यक्षत करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने अपने संबोधन में देश समाज व अपने प्रति कर्तव्यों को निभाने की आवश्यकता बतायी। पुलिस अधिक्षक ने एक या डेढ़ साल छोटी बच्ची को पोलियो खूराक पिलाकर पल्स पोलियो प्रषिक्षण षिविर का उद्घाटन किया।

दितीय चरण.

40-41

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में राजकीय चिकित्सालय लाडनूं के डॉ. सारण ने पल्स पोलियो के बारे में बताते हुए स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का प्रशिक्षण दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि–

1. पोलियो की दवा पिलाने से पूर्व उस दवा (बोतल) को कैसे पकड़ना चाहिए? उस दवा पर एक आयताकार आकृति बनी होती है उसे उपर रखते हुए दवा पकड़ना चाहिए।
2. 0–5 वर्ष के सभी बच्चों को पोलियो की खूराक पिलानी है।
3. जब दवा के अनुसार बनी गोल आकृति पूरी तरह से खाली हो जाये तब उस दवा का उपयोग नहीं करना चाहिए।

तृतीय चरण :–

कार्यक्रम के तृतीय चरण में डॉ. सारण ने महिला स्वास्थय जागरूकता संबंधित व्याख्यान दिया जिसके तहत उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना हम सभी के स्वास्थय को मध्यनजर रखते हुए ही बनायी गयी योजना है जिसका उपयोग लेकर हम बिमारी को शुरूवाती चरण में ही समाप्त कर अच्छे एवं बेहतर कल की और अग्रसर होंगे अतः सभी छात्राओं को अपने घर परिवार एवं पड़ौस में रहने वाली महिलाओं को ऐसी सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना चाहिए। इस अवसर पर कई छात्राओं ने स्वास्थय से संबंधित विभिन्न जिज्ञासाओं को प्रकट करते हुए प्रश्न पूछे एवं डॉ. सारण ने सभी प्रश्नों पर संतोषप्रद जवाब देकर जिज्ञासायें शांत की।

चतुर्थ चरण :–

कार्यक्रम के चौथे चरण में सेवक सेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयी।

द्वितीय दिन (28.01.2018)

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन पल्सपोलियो अभियान के अन्तर्गत दिनांक 28.01.2018 को पाँच वर्ष छोटे बच्चों को स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं द्वारा लाडनूं के लगभग 32 बूथों पर पल्स पोलियो खूराक पिलायी गयी इसमें सभी स्वयंसेविकों एवं सेविकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

तृतीय एवं चतुर्थ दिन (29.01.2018 एवं 30.01.2018)

शिविर के तीसरे और चौथे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं अपने–अपने क्षेत्रों में घर–घर जाकर पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की राक दी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं डॉ. प्रगति नागर ने सभी स्वयं सेवक और स्वयं सेविकाओं के साथ घर–घर जाकर पल्स पोलियो प्रति लोगों को जागरूक किया।

पंचम दिन (31.01.2018)

राष्ट्रीय सेवा योजना के पाँचवे दिन प्रथम चरण में स्वयंसेवक एवं सेविकाओं द्वारा । विश्वभारती संस्थान परिसर की साफ सफाई का कार्य किया गया इसके अतिरिक्त ५ वक एवं सेविकाओं ने पुरूष तथा महिला छात्रावास के बरामदे बालकनी दिवारे एवं ीयों की सफाई की तथा साथ ही छात्रावास के मैदान के घास–फुस, कुड़े–करकट की सफाई की गयी।

पाँचवे दिन के द्वितीय चरण में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में एक प्रेरणा सत्र का ोजन किया गया इस सत्र में क्षैत्र के उर्दू व हिन्दी के शायर राजेश विद्रोही ने कहा कि व्यक्ति में अलग–अलग विशेषताऐं व क्षमताऐं होती है। इसलिए जब तक व्यक्ति की ता को पहचानकर उसके अनुरूप कार्य किया जाता है। तो उसके कार्य की सफलता चित हो जाती है।

ने कहा कि युवाओं में ऊर्जा व क्षमता होती है युवाओ का धर्म और वर्ग से उपर र व्यापक सोच के साथ गतिशील होना चाहिए।

राष्ट्रीय उत्थान के लिए युवा शक्ति का उपयोग आवश्यक है कार्यक्रम का संचालन ात्रा हेमलता शर्मा द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन शुभ अदायकी राष्ट्रीय सेवा ोजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा की गयी।

षष्ठम दिन (31.01.2018)

छठें दिन के प्रथम चरण में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की सहायक आचार्य ोनिका जैन के द्वारा स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को प्रतिदिन दिनचर्या में अनुपयोगी ामाग्रीयों को कैसे जीवन उपयोगी बनाया जा सकता है सिखाया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता :– छठें दिन के द्वितीय चरण में ग्रीन एवं क्लीन लाडनूं विषय र पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेविकाओं ने बढ़चढ़ कर भाग ...।

तीय चरण :– छठें दिन के तीसरे चरण मे स्वयंसेविकों एवं सेविकाओं ने संस्थान के तिक चिन्ह के चारों और बने ट्रेक पर रंगायी का कार्य किया जिसका उद्घाटन संस्थान ेे कुलसचिव श्री विनोद कुमार कक्कड़ व आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य ानन्द प्रकाश त्रिपाठी द्वारा किया गया इस दौरान पेड़ो पर भी रंगायी का कार्य किया या यह कार्य शिविर समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं डॉ. प्रगति भटनागर के िर्देशन में किया गया।

सप्तम दिन (01.02.2018)

प्रथम चरण :– इस चरण में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालयके अंग्रेजी के सहायक आचार्य सोमवीर सागवान के द्वारा फॉनेटिक्स पर एक उपयोगी एवं बेहतर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें स्वयं सेवकों को रचनात्मक एवं क्रियाशील गतिविधियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

तीय चरण :– इस सत्र चरण में स्वच्छता एवं स्वास्थय जागरूकता विषय पर लाडनूं हर एवं संस्थान परिसर में रेली निकाली गयी एवं स्वच्छता एवं स्वास्थय जागरूकता बंधी नारे लगाकर लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ रहने का संदेश दिया गया।

मापन समारोह :– सातवें दिन के तृतीय चरण में शिविर के समापन समारोह का ायोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूवात छात्राओं द्वारा स्वागत गीत से की गयी इसके ाद सरीता शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में शिविर का प्रतिवेदन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा प्रस्तुत या गया। कार्यक्रम में ज्योति नागपुरिया, सुरैया बानो, तन्मय जैन एवं आनंदपाल सिंह ने विर से जुड़े अनुभव साझा किये।

इस दौरान शिविर में आयोजित की गयी पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम घोषित या गया, जिसमें नेहा प्रजापत प्रथम, योगिता शर्मा द्वितीय, तथा अंकिता बैंगानी तृतीय ान पर रहे।

धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने किया तथा र्यक्रम संचालन आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ..देशन में किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
कार्यक्रम अधिकारी
आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE

SWACHHTA PAKHWADA REPORT

(ORGANIZED BY NSS, JVBI)

(ORGANISED AS PER INSTRUCTIONS OF UGC)

SEPT. 01- 15, 2017

SUBMITTED BY

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE

LADNUN – 341306 (RAJASTHAN)

Day wise Activities organized (As per instructions of UGC)

Clean Campus Day	1st Sept 2017
Clean Hostel Day	2nd Sept 2017
Gree Campus Day	3rd Sept 2017
Clean Mess Day	4th Sept 2017
Essay Contest	5th Sept 2017
Clean Sorrunding Day	6th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Study of Garbage cleaning system)	7th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to slum/villages to explain concept of cleaning)	8th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to market to study system of cleaning	9th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to Govt. hospital to study system of cleaning)	10th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to institutions for the poor)	11th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Debreifing session with the commissioner Local body about the system for cleanliness)	12th Sept 2017
Cleanest hostel room contest	13th Sept 2017
Elocution contest	14th Sept 2017
Closing Ceremony	15th Sept 2017

PROGRAMME ORGANISED UNDER SUPERVISION & GUIDANCE OF

HONURABLE VICE CHANCELLLOR OF

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE LADNUN

MEMBERS OF ORGANISING COMMITTEE

- Dr. B Pradhan
  Head ,Dept of Social Work and NSS Coordinator, JVBI
- Dr. Ravindra Singh Rathore
  Asst. Prof,Dept of Non Violenece & Peace, JVBI
- Dr. Pragati Bhatnagar
  Asst. Prof,AKKM and Programme Officer, NSS, JVBI

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम

प्रथम दिनः–दिनांक 01.09.2017 को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा 1 से 15 सितम्बर के अर्न्तगत जैन विश्वभारती संस्थान, कैम्पस की साफ–सफाई अभियान की शुरूआत संस्थान के कुलपति माननीय बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता में हुआ। उस दौरान संस्थान के कुलसचिव श्री विनोद कुमार कक्कड़ और दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, सभी विभागाध्यक्ष सभी शिक्षक एवं अधिकारी, कर्मचारी, और संस्थान के सभी छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। संस्थान के पूरे कैम्पस की सफाई छात्र–छात्राओं ने लगन एवं मेहनत से किया।

इसके अतिरिक्त साफ–सफाई की जागरूकता की रैली का भी आयोजन किया गया जो संस्थान के ओपेन एयर थियेटर से शुरू होकर विश्वविद्यालय के सभी विभागों से हाते हुए पुनः कैम्पस में समाप्त हुआ।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. प्रगति भटनागर कर रहे थे। इसमें संस्थान के सभी सदस्यो का सहयोग रहा।

द्वितीय दिनः– दिनांक 02.09.2017 को स्वच्छता पखवाड़ा के दूसरे दिन संस्थान के पुरूष एवं महिला छात्रावास की साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुरूष छात्रावास में साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान, छात्रावास अधीक्षक के उपस्थित में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में सभी 22 छात्रों ने बढ–चढ कर भाग लेते हुए छात्रावास बरामदे, बालकनी, दिवारें एवं सिढियों का साफ–सफाई किया।

महिला छात्रावास में साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन छात्रावास अधीक्षक श्रीमती गीता पुनीया एव कार्यक्रम आयोजक डॉ. प्रगति भटनागर की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में सभी 120 छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। साफ–सफाई के दौरान छात्रावास के बरामदे, मैदान, आगन, आदि कि सफाई कि गई। छात्रावास के मैदान के घास–फूस, कूड़े–करक्ट का भी सफाई कि गई।

तृतीय दिनः– दिनांक 03.09.2017 को स्वच्छता पखवाड़ा के तीसरे दिन संस्थान कैम्पस का हरियाली के लिए पेड़–पौधे लगाये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के कुलसचिव श्री विनोद कुमार कक्कड़, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, शोध निदेशक प्रो. अनिल धर, संस्थान के उपकुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत अहिंसा एवं शान्ति विभाग के विभागाध्यक्ष जुगल किशोर दाधीच, सहायक आचार्य डॉ. विकास शर्मा, समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्या डॉ. पुष्पा मिश्रा, एवं संस्थान के छात्र–छात्रायें उपस्थित थे। सभी उपस्थित आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, अधिकारी गण ने छात्र–छात्राओं के सहयोग से कैम्पस में पौधे लगाये एवं पानी दिया।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान विभागाध्यक्ष समाजकार्य, अहिंसा एवं शान्ति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड. एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रगति भटनागर कर रहे थे।

चतुर्थ दिनः– दिनांक 04.09.2017 कोजैन विश्व भारती संस्थान में दिनांक 1 से 15 तक UGC द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा चल रहा है उसके अन्तर्गत आज दिनांक 04.09.2017 चौथे दिवस पर Clean Mess Day के रूप में मनाया गया।

छात्रावास अधीक्षक गीता पूनियाँ की उपस्थिति में छात्रावास में रहने वाली प्रत्येक छात्रा में बड़े ही उमंग पुर्ण छात्रावास के मेस को स्वच्छ बना लिया। उन्होने यह कायम कर दिया कि जिस प्रकार घर में रसोई घर को स्वच्छ रखना अनिवार्य है उसी प्रकार छात्रावास हमारा घर है तथ मेस हमारा रसोई घर इसकी स्वच्छता रखना हमारा कर्त्तव्य है

"स्वच्छ तन, स्वच्छ मन।
स्वच्छ हो जग सारा
स्वच्छ दिवस पर सकल्प हमारा।

सभी छात्राओं ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पचंम दिनः– दिनांक 05.09.2017 को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत निंबध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमे 150 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

जिसका शीर्षक था "मै स्वच्छता के लिए क्या कर सकता हू" प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सरिता फिड़ोदा शिक्षा विभाग द्वितीय पुरस्कार सुविधा जैन एवं कंवरी शिक्षा विभाग, तथा तृतीय पुरस्कार लीला शर्मा, शिक्षा विभाग, तनम्य जैन, जैनलोजी तथा कोमल कंवर, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, प्राप्त किया। सहायक आचार्य अभिषेक चारण ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

षष्टम् दिनः– दिनांक 06.09.2017को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक सितम्बर 1–15 2017 के अन्तर्गत छठवें दिन दिनांक 6.9.2017 को संस्थान के छात्र–छात्रओं ने संस्थान से जुड़े रोड की साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें नगरपालिका के भी सफाई कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान विभागाध्यक्ष – समाज कार्य, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, सहायक आचार्य अहिंसा एवं शान्ति विभाग, एवं डॉ. प्रगति भटनागर सहायक आचार्य, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयोजन से किया गया।

सप्तम दिवसः– को स्वच्छता पखवाड़ा के सातवें दिन दिनांक 07.09.2017 को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित जैन विश्वभारती संस्थान के छात्र.छात्राओं द्वारा सार्वजनिक स्थान कूड़ा सफाई प्रक्रिया का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के दौरान छात्र–छात्रायें नगर विभिन्न सार्वजनिक स्थान पर जाकर देखा, लोगों एवं नगरपालिका कर्मचारियों श्री रामसिंह, (उपखण्ड अधिकारी) श्री मोहित खन्ना, (कार्यकारी अधिकारी) श्री अकरम अली, (वरिष्ठ इन्चार्ज सफाई कर्मचारी), श्री महेन्द्र (मुख्य सफाई कर्मचारी) से चर्चा कि।

जिससेनिम्नलिखित निष्कर्ष निकाले–

1. सार्वजनिक स्थान से कूड़े को नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा एकत्रित किया जाता है।
2. टैम्पों प्रतीदिन वहाँ से कूड़ा उठाकर नगर पालिका को आंवंटित बीघा जमीन पर डाल दिया जाता है।
3. करंट बालाजी के पास एकत्रित कूड़े का निष्पादन की व्यवस्थान नगरपालिका के पास नहीं है।
4. नगरपालिका के पास 3 ट्रक भी है जो इस कार्य के लिए लगाई गई।
5. शहर के मुख्य मार्ग पर नगरपालिका द्वारा कचरा पात्र करवे गये है। इनके अलावा घर–घर से कचरा संग्रह की व्यवस्था भी की गयी है।

यह कार्य डॉ. बिजेन्द्र प्रधान विभागाध्यक्ष, समाज कार्य एवं डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ सहायक आचार्य, अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा मार्गदर्शन एवं सुपरविजन किया गया।

अष्टम् दिवसः– को स्वच्छता पखवाड़ा के आठवें दिन दिनांक 08.09.2017 को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित जैन विश्वभारती संस्थान ग्राम बाकलिया में साफ–सफाई (स्वच्छता) के विषय में ग्रामीण महानुभावों युवकों महिलाओं एवं बच्चों को सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम गांव के बीच सार्वजनिक स्थल गुवाड़ पर आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 व्यक्ति उपस्थित थे। समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पुष्पा मिश्रा ने सभी को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता से सम्बन्धित जानकारी दी।

संस्थान के छात्रों द्वारा गांव में नारा लेखन का कार्य भी किया गया। जिसके अन्तर्गत कुल 40 बिन्दूओं को छात्रों द्वारा चिन्हीत करके उसके लिये ग्रामीण वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं से अनुमति प्राप्त की गयी एवं लेखन का कार्य सम्पन्न किया गया।

गांव के सभी व्यक्ति ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया तथा स्वच्छता पर ध्यान देने की बात स्वीकार की। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के विधार्थी नारा लेखन करते हुए।

नवें दिवसः– यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 09. 09.2017 को जैन विश्वभारती संस्थान के छात्र–छात्राओं नें लाडनूं मार्केट के सफाई प्रक्रिया का अध्ययन किया। इस प्रक्रिया मे अध्ययन में पाया गया कि नगरपालिक द्वारा नगर में 10 टैम्पों लगाये गये हैं जिनकी जानकारी के लिए उनपर माइक की व्यवस्था की गयी है जिनके द्वारा स्वच्छता जागरूकता सम्बन्धी नारे व गीतो की व्यवस्था की गयी है जिससे लोग कचड़ा डालने आ जाते है। जो प्रतिदिन घर–घर जाकर कूड़ा एकत्रित करने है। पूरे नगर में 33 वार्ड है प्रति टैम्पो लगभग 3 वार्ड प्रतिदिन भ्रमण करते है। टैम्पों द्वारा एकत्रित कूड़े को नगर पालिका के पास 3 ट्रक खड़ी रहती है उसमें डाला जाता है। ट्रक भर जाने बाद वह कूड़े नगर पालिका को आवंटित 20 बीघा जमीन जो करंट बालाजी के पास है वहाँ डाला जाता है।

इसके साथ नगर पालिका के साफ–सफाई कर्मचारी भी प्रत्येक वार्ड में नाली एवं गलियों की सफाई करतें है और कूड़े को एक जगह एकत्रित कर देते है बाद में टैम्पो जब उस वार्ड से गुजरता है तो उसे उठाकर उसी प्रक्रिया द्वारा निर्धारित स्थान पर डाला जाता है।

इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान, विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ सहायक आचार्य, अहिंसा एवं शान्ति तथा डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा किया गया।

दसवें दिनः– यू.जी.सी द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़े के अर्न्तगत 10 वे दिन अस्पताल के कुड़े कचरे के निवारण एवं निसंतारण की प्रक्रिया का संस्थान के छात्र–छात्राओं द्वारा अध्ययन किया गया।

इसके अर्न्तगत अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भगवान सिंह राठौड. से उपर्युक्त विषय पर विचार विर्मश किया गया।

उन्होने बताया कि हमारे यहाँ दो कार्यक्रम चलते है जिसकी राष्ट्रीय गुणवता बीमा जो प्रधानमंत्री द्वारा चलाया गया है। दुसरा कार्यक्रम यह राज्य सरकार द्वारा चलाया गया है इसे प्रत्येक जिले में लागू कर दिया गया है। इन कार्यक्रर्मो के गाईड लाईन के तहत हमारी संस्थाऐं कार्य करती है। और एक लक्ष्य रखा जाता है और लक्ष्य का अनुसरण किया जाता है। उन्होने बताया की P.W.D व NRHM द्वारा भी अस्पताल की गतिविधियों को अवगत कराया गया ताकि काम सही हो सके।

ग्यारवाहं दिनः–स्वच्छता पखवाड़ा के ग्यारहवें दिन आदर्श ज्ञानोदय दिव्यांग राजकीय उच्च प्राथमिक आवसीय विद्यालय में स्वच्छता संबंधी क्रियाकलापों की जानकारी ली गई। इस संदर्भ में विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेन्द्र चारण ने बताया कि इस विद्यालय की स्थापना सन् 2009 में हुई। विभिन्न रू‍प से विकलांग बालकों हेतु शिक्षा प्राप्त करने के साथ–साथ आवास की भी सुविधा उपलब्ध है। पूर्व में विकलांगता के 7 प्रकार निर्धारित किए गए थे किन्तु हाल ही में विकलांगता को 21 प्रकार निर्धारित

किए गए है। यहाँ विभिन्न प्रकार की विकलांगता से ग्रस्त बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कुल 70 बच्चे (विधार्थी) यहाँ नामांकित हैं।

इनमें से 30 विधार्थी आवासीय विद्यालय में रहकर तथा 40 विधार्थी नियमित आवा–गमन से शिक्षा प्राप्त कर रहें। इनमें से 85% विधार्थी मूकः बधिर श्रेणी से हैं। तथा 15% अन्य विकलांगता श्रेणी से हैं। विद्यालय में कुल 6 अध्यापक कार्यरत् है। सभी शिक्षक विशेष योग्यजन शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त हैं। विधार्थियों को सांकेतिक भाषा में भी शिक्षण प्रदान किया जाता है। यह विद्यालय 50% सरकार द्वारा अनुदानित है। यहाँ आने वाले बच्चो का पहले मूल्यांकन किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधार्थी का एक व्यक्ति गुण प्रगति प्रतिवेदन पत्र आंकलन हेतु तैयार किया जाता है। विद्यार्थियों को यहाँ सामान्य दैनिक क्रियाओं का ज्ञान कराया जाता है यथाः– कपड़े पहनना स्वयं को शारीरिक रूप से स्वच्छ रखना दांत साफ करना, शोच व शौचा के पश्चात् हाथ धोना, नाखून ना बढ़े, नंगे पैर ना घूमना इत्यादि। यहाँ छात्र–छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जाते हैं। विधार्थियों में सामान्य जानकारी विकसित की जाती है। सफाई कर्मचारी द्वारा नियमित सफाई की जाती है। इसके अलावा बच्चों में भी दरी लगाने, सफाई के प्रति जागरुकता रहने, खाने से पहले हाथों की सफाई करने की समझ व क्रियाएं विकसित की जाती है। सफाई हेतु फिनायल वगैरह जैसे फ्लोर क्लीनर्स का प्रयोग किया जाता है। विधार्थियों द्वारा अपनी सफाई स्वयं की जाती है। सभी बालकों का स्वास्थ्य कार्ड भरा जाता है। इसके अलावा प्रति 6 माह पर स्वास्थ्य जाँच की जाती है। हाल ही में विद्यालय भवन बदले जाने के कारण यहाँ मनोरंजन के साधनों की कमी है। छात्रो छात्राओं को निश्चित पोषण चार्ट के अनुसार ही भोजन दिया जाता है।

यु.जी.सी द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के बारहवें दिनउपखण्ड अधिकारी कार्यलय में स्वच्छता प्रक्रिया पर चर्चा तहसीदार जितेन्द्र सिंह व अन्य कर्मचारी गण के साथ इस विषय पर चर्चा की गयी। जिससे निष्कर्ष निकला की नियमित रूप से नियुक्त कर्मचारी ही सफाई का काम करते है। और सप्ताह में हम सब मिल कर अभियान के रूप में एक दिन पूरे कार्यालय की सफाई की जाती है।

नायब तहसीलदार जी ने हमे इस सफाई कार्यशाला के अर्न्तगत कुछ गाइडलाइन्स कि जो निम्न प्रकार से है ग्राम स्तर पर बैठक करके सफाई से सम्बन्धित चर्चा करके व सफाई न होने से होने वाली बिमारियाँ व उसके दुषप्रभावो से जनता को अवगत कराना व समुदाय में किसी भी प्रकार कि बैठक हो स्थानीय जनता को उनकी स्थानीय भाषा में हि समझाना और इसके प्रचार–प्रसार के लिए प्रोत्साहित प्रतियोगिताये आयोजित करना है इत्यादि कई कार्यो से हमे अवगत करवाया और बताया कि अगर हम ऐसा करते है तो आने वाले समय में हर–गली मोहल्लों समुदाय स्वच्छ होगा और एक नये स्वच्छता भारत को निर्माण होगा।

जितेन्द्रसिंह ने बताया कि आबादी क्षेत्र में सफाई कार्य B.D.O. द्वारा देखा जाता है। O.D.F. का कार्य देखा जाता है ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित कि जाती है।

तैरहवें दिवसः– जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में 13 सितम्बर को छात्र एवं छात्राओं के छात्रावास में स्वच्छतम कक्ष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. विष्णु कुमार तथा डॉ. पुष्पा मिश्रा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने वृन्दा दाधीच एवं नीतु वैष्णव ने प्रथम, दीपिका एवं अल्का ने द्वितीय तथा मोनिक एवं एकता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग में विनय जैन व अंकित तथा सुनिल व जितेन्द्र ने प्रथम, उदय जैन व प्रसुख जैन्न सिंह ने द्वितीय तथा विनय शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चौदहवां दिनः—जैन विश्वभारती संस्थान में स्वच्छता पखवाड़े के अर्न्तगत 14 सितम्बर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता का विषय "स्वच्छता एवं स्वास्थ्य असली सम्पती है" प्रतियोगिता मे सहायक आचार्य डॉ. विवेक महेश्वरी एवं डॉ. गिरीराज भोजक ने निर्णायकों की भूमिका अदा की। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निधी शिक्षा विभाग, द्वितीय स्थान तन्मय जैन, जैनलोजी तथा तृतीय स्थान नन्दनी पारीक, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय तथा खुशबू योगी शिक्षा विभाग ने प्राप्त किया कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रगति भटनागर ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमिता जैन ने किया।

पन्द्रहवां दिनः— जैन विश्व भारती संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा के अर्न्तगत 15वां दिन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने छात्र छात्राओं में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय आने वाले छात्रो को प्रमाण पत्र कार्यक्रम के आयोजको द्वारा वितरीत कर सम्मानित किया गया।

(Dr. B Pradhan)
NSS Officer
Head ,Dept of Social Work, JVBI

Scanned with CamScanner

शिक्षा मानव विकास का प्रमुख माध्यम

08 सितम्बर, 2017, विश्व साक्षरता दिवस पर संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा साक्षरता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. बी.एल. जैन (विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग) थे जिन्होंने साक्षरता को शोषण से बचने का प्रभावशाली माध्यम बतलाया। उन्होंने यह भी बतलाया कि आपके पास यदि सरकार द्वारा साक्षरता को बढ़ावा देने के कार्यक्रम चल रहे हैं तो उनमें अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करना प्रत्येक स्वयं सेवक का दायित्व है। अतः हमें इस दायित्व का निर्वाह भी ईमानदारी से करना चाहिए। इस कार्यक्रम में दोनों इकाई प्रभारी डॉ. विजेन्द्र प्रधान तथा डॉ. प्रगति भटनागर उपस्थित रहे।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 15.09.2015. को स्वच्छता अभियान भाग–2 के तहत जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिसके तहत विश्वविद्यालय परिसर की पूर्णरूप से सफाई की गई। स्वयं सवेक एवं सेविकाओं द्वारा विश्वविद्यालय के समस्त कक्षाओं एवं लेबस् तथा अन्य कमरों की सफाई की गई। इस दौरान पुरूष एवं महिला छात्रावास के भी परिसर को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने अपनी भूमिका पूर्णरूप से निभाई। यह कार्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

पर्यावरण संरक्षण राष्ट्रीय दायित्व

10 सितम्बर, 2017, संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयों द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जागरूकता लाने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के कुलसचिव श्रीमान विनोद कक्कड़ ने पौधारोपण करते हुए स्वयं सेवकों को यह शपथ दिलाई कि वे भी इस वर्ष 2–2 वृक्ष लगाकर उनकी देख–रेख का जिम्मा भी लेंगे। उन्होंने यह बतलाया कि यह शुरूआत वृक्षारोपण के प्रति समाज चेतना बढ़ाने में भी काफी सहायक हो सकती है।। अपने वक्तव्य में यह भी बतलाया कि पर्यावरण संरक्षण मानव जाति के हितार्थ काफी जरूरी है। जिसे हमें निष्ठा से अपनाना होगा। कार्यक्रम में दोनों इकाई प्रभारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 20.08.2015. को जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में श्रमदान का आयोजन किया गया। जिसके तहत कालूकन्या महाविद्यालय के परिसर में श्रमदान का कार्य किया गया। परिसर के उद्यानों में कचरा उठाकर उन्हें स्वच्छ बनाया। इसके अतिरिक्त परिसर के स्वयं सवेक एवं सेविकाओं ने कक्षाओं, लेबस्, बरामदों तथा अन्य कमरों की सफाई की गई। परिसर में जंगली पेड़–पौधों को निकाल कर स्वच्छता का सन्देश दिया। प्राचार्य समणी मल्लिप्रज्ञा ने छात्राओं को श्रमदान का महत्व समझाते हुए कहा कि श्रमदान से परिसर तो साफ होता ही है साथ ही साथ यह हमें स्वस्थता भी प्रदान करता है।यह कार्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया

जैन विश्वभारती संस्थान की एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों द्वारा 24 सितम्बर, 2017 को संस्थान परिसर में एन.एस.एस. का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर इकाइयों में पंजीकृत नवीन स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को एन. एस.एस. के उद्देश्यों एवं इसकी स्थापना के लक्ष्यों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के प्रो. अनिल धर ने एन.एस.एस.की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की विकास यात्रा की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को इन लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को प्राप्ति में योगदान देने हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में दोनों इकाइयों के प्रभारी भी उपस्थित रहे।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में मनायी गांधी जयंती

राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई प्रथम व द्वितीय दोनों के संयुक्त तत्त्वावधान में 2 अक्टूबर, 2017 को गांधी जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सहायक आचार्य डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत (जीवन विज्ञान और योग विभाग) ने गांधी जी के आदर्शों एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया और यह बतलाया कि गांधीजी के आदर्श एवं जीवन मूल्य न केवल अतीत में प्रभावी रहे बल्कि भविष्य में भी प्रासंगिक एवं उपयोगी रहेंगे। इस अवसर पर दोनों इकाइयों के प्रभारी उपस्थित रहें।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाया गया (19–25 नवम्बर, 2017)

दिनांक 19 नवम्बर से 25 नवम्बर, 2017 तक संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम व द्वितीय द्वारा साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह में रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें सभी स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने रूचिपूर्वक सहभागिता रखी। इस सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर छात्राओं को साम्प्रदायिक सद्भाव की भावना अंगीकृत करने तथा उसका प्रचार–प्रसार समाज तक करने के लिए प्रेरित किया गया। सप्ताह भर में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन एवं सम्पादन में दोनों इकाइयों के प्रभारियों का सक्रिय योगदान रहा।

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

विश्व एड्स दिवस मनाया गया (01.12.2017)

विश्व एड्स दिवस पर संस्थान में संचालित सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी रहे। प्रो. त्रिपाठी ने स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को प्रेरित करने के लिए बतलाया कि जब तक जनता में जागरूकता की भावना नहीं होगी तब तक ऐसी बीमारियों का निराकरण संभव नहीं है। उन्होंने यह जागरूकता लाना एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों का मुख्य दायित्व बतलाया। इकाई प्रथम प्रभारी डॉ. प्रगति भटनागर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा द्वितीय इकाई प्रभारी डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एड्स दिवस का आयोजन

दिनांक 01.12.2016 जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में 1 दिसम्बर, 2016 को एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने रेड रिबन द्वारा एड्स चिन्ह निर्मित कर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को वितरित किये। इस अवसर पर स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा बाकलिया गांव में एड्स जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसके द्वारा एड्स के प्रति ग्रामवासियों को जागरूक किया गया।

आचार्य कालू कन्या प्राचार्य डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने भी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को एड्स जागरूकता हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने एच.आई.वी./एड्स वायरस से जीवन रक्षा कैसे की जाती है? यह वायरस कैसे मानव शरीर में पहुंचता है? कैसे अपने आपको विकसित करता है एवं हमारे शरीर में रोग से लड़ने वाली रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट करता है की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि एड्स से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है अपितु इसके प्रति जागरूक रहने की एवं समाज में इसके प्रति जागरूकता उत्पन्न करना सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)

एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

मतदाता जागृति लोकतंत्र का आधार : 25.01.2018

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा मतदान जागरूकता लाने के लिए एक कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. बलबीर सिंह (राजनीति विज्ञान) ने मतदान के महत्त्व एवं मतदान की चुनावी प्रक्रिया में भूमिका पर प्रकाश डाला तथा यह बतलाया कि सच्चे लोकतंत्र का आधार ही मतदान का सही प्रयोग है और जागरूक मतदाता ही अपने विवेक से मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को यह संदेश दिया गया कि वे अपने आस–पास के क्षेत्र के मतदाताओं में मतदान जागरूकता लाने का प्रयास करें ताकि मताधिकार का सही उपयोग हो सके। इस कार्यक्रम में दोनों इकाइयों के प्रभारी उपस्थित रहे।

Pradi

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

महिला शिक्षा की समाज में अहम भूमिका

16 अगस्त, 2016 को महिला शिक्षा की आवश्यकता पर संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रुप से 06 से 14 वर्ष की बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता पर बात की गई। मुख्य वक्ता प्रो. अनिल धर (विभागाध्यक्ष, अहिंसा एवं शांति विभाग) ने शिक्षा को शोषण से बचने का प्रभावशाली माध्यम बतलाया। उन्होंने यह भी बतलाया कि आपके पास यदि सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्यक्रम चल रहे हैं तो उनमें अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करना प्रत्येक स्वयं सेवक का दायित्व है। अतः हमें इस दायित्व का निर्वाह भी ईमानदारी से करना चाहिए। इस कार्यक्रम में दोनों इकाई प्रभारी डॉ. विजेन्द्र प्रधान तथा डॉ. प्रगति भटनागर उपस्थित रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि बालिकाएं शिक्षा से वंचित रहे जाते हैं तो इसका नकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पडता है।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

दिनांक 08.03.2018, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान की एन. एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन कर समाज में महिला की महत्ता एवं महिला सम्मान की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्या डॉ. पुष्पा मिश्रा ने समाज में महिलाओं की दशा एवं स्थिति का चित्रण करते हुए बतलाया कि भारत में प्राचीन काल में भी अनेक महिलाओं ने प्रभावशाली भूमिका का निर्वाह किया है। जिनमे लोपमुद्रा एवं महारानी लक्ष्मीबाई के दृष्टान्त उन्होंने बतलाये। अपने उद्‌बोधन में उन्होंने यह बतलाया कि आज समाज में महिला भी पुरुष के साथ हर क्षेत्र में आगे आकर अपनी प्रभावी भूमिका का निर्वाह कर रही है। इस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रभारी डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने की तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रगति भटनागर ने किया।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 05.10.2016, को जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने स्वयं सवेक एवं सेविकाओं को स्वास्थ्य जागरूकता हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यदि हम स्वच्छ रहेंगे तो हमारा स्वास्थ्य अपने आप ही अच्छा रहेगा। कार्यक्रम में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी अपने विचार रखे और स्वयं सवेक एवं सेविकाओं को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश गांव–गांव, गली–गली और मौहल्लों तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंन कहा कि स्वयं सवेक एवं सेविकाएं इस कार्यक्रम के सभी शिक्षक एवं सभी छात्राएं उपस्थित थी। यह कार्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)

एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन (18-25 जनवरी 2018)

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्त्वावधान में सात दिवसीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा लाडनूं शहर के मुख्य मार्गों से एक जागरूकता रैली निकाली गई जिससे लोगों को सड़क एवं यातायात सम्बन्धी नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया। इस सप्ताह में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर सड़क एवं यातायात के नियमों की जानकारी समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। यातायात नियमों का पालन करना हमारा नैतिक दायित्व है इसकी जानकारी भी व्याख्यान के माध्यम से प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने प्रदान की। इस सप्ताह के अंतर्गत इकाई प्रथम प्रभारी डॉ. प्रगति भटनागर एवं इकाई द्वितीय प्रभारी डॉ. जुगल किशोर के निर्देशनमें सभी कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

Pragati

कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.,

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

दिनांक 08.03.2017, जैन विश्वभारती संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव श्री विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा कि महिलायें सृष्टि की अनमोल रचना हैं एवं महिला के दम पर ही सृष्टि का सुगम संचालन संभव है। श्री विनोद कुमार कक्कड ने कहा कि महिला दिवस बहस का मुद्दा नहीं बल्कि चिंतन का सोपान है। पुरुष और महिला दोनों को समाज की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने शक्ति के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलायें शिक्षित होने से ही सशक्त बन पायेंगी।

महिला दिवस पर स्वयं सेविकाओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिजेन्द्र प्रधान ने भी महिला सशक्तिकरण का आह्वान किया। डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण तथा अधिकारियों की सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में लगभग 200 स्वयं सेवक एवं सेविकाओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए अपने आपको सशक्त बनाने की प्रेरणा दी।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)

एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना
जैन विश्वभारती संस्थान
इकाई प्रथम एवं द्वितीय

प्रथम एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर की रिपोर्ट

दिनांक 24.9.2018

प्रथम चरण

जैविभा संस्थान में एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया–

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में एनएसएस दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि सेवा की भावना होने से ही जीवन की सफलता कही जा सकती है। सेवा हमेशा निःस्वार्थ होती है, जिसमें एक हाथ से सेवा करें तो दूसरे हाथ को आभास तक नहीं हो। सेवा का ढिंढोरा पीटना तो सेवा नहीं बल्कि केवल प्रदर्शन होता है। सेवा संवेदना के बिना संभव नहीं है। संवेदना से किसी के प्रति करूणा भाव जागृत होता है और सेवा के लिये व्यक्ति तत्पर हो जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन का महत्वपूर्ण गुण गतिशील रहने से सेवा

Scanned with CamScanner

की भावना पैदा होती है। इससे जीवन में झरने की भांति ताजगी और पारदर्शिता रहती है। जिस प्रकार गतिहीनता के कारण ठहरा हुआ पानी सड़ जाता है, वहीं व्यक्ति गति के बिना किसी महत्व का नहीं रहता है। डा. जुगल किशोर दाधीच ने कहा कि छोटे-छोटे संकल्पों के माध्यम से जीवन में सेवा भाव को सहज रूप से विकसित किया जा सकता है। सेवाभाव के जीवन में आने से व्यक्ति सरल, सहज, उदार, करूणामयी और सामाजिक बन जाता है। एनएसएस इकाई प्रथम की समन्वयक डा. प्रगति भटनागर ने एनएसएस के स्थापना के समय से लेकर वर्तमान तक की गतिविधियों आदि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्वयंसेविका माधुरी सोनी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, कार्यक्रमों एवं सेवा कार्यों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। प्रारम्भ में सरिता शर्मा ने एनएसएस गीत प्रस्तुत किया।

द्वितीय चरण

इस अवसर पर गांधी जी के जीवन से सम्बन्धित भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें 28 प्रतिभागी छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से प्रथम स्थान पर पूजा कुमारी रही। द्वितीय स्थान पर मुमुक्षु आरती व तृतीय स्थान पर मुमुक्षु सारिका रही।

Pragati
(कार्यक्रम अधिकारी)
एन. एस. एस.
जै. वि. भा. सं.
लाडनूं

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना

जैन विश्वभारती संस्थान

इकाई प्रथम एवं द्वितीय

द्वितीय एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर की रिपोर्ट

दिनांक 02.10.2018

प्रथम चरण

दिनांक : 2 अक्टूबर को 150वीं गांधी जयन्ती के उपलक्ष में एन.एस.एस. की दो इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों की स्वयंसेविकाओं ने जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली में छात्राओं ने विविध नारे लिखी तख्तियां लेकर एवं नारे लगाते हुये महात्मा गांधी के संदेशों को आम जन तक पहुंचाया। रैली को मंगलवार को प्रातः विश्वविद्यालय परिसर से आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर प्रो. अनिल धर, डा. पी.एस. शेखावत, डा. जुगल किशोर दाधीच, डा. प्रगति भटनागर, सोनिका जैन आदि उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

द्वितीय चरण

संस्थान की एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के तत्वावधान में आचार्य महाप्रज्ञ-महाश्रमण आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने आवश्यकता और आय के संतुलन को आवश्यक बताते हुये कहा कि महात्मा गांधी का यह मुख्य सिद्धांत था कि अपनी जरूरत के लिये आमदनी करनी चाहिये, लेकिन अपनी आमदनी के लिये जरूरतों को बढाना नहीं चाहिये। उन्होंने देश की आबादी के एक प्रतिशत के पास आय का एकत्रिकरण और 75 प्रतिशत आबादी की आवश्यकतायें तक पूरी नहीं हो पाने को अनुचित व असंतुलन बताते हुये कहा कि इससे जो आम नागरिक की प्रति व्यक्ति आय का औसत निकाला जाता है, वह कभी सही नहीं कहा जा सकता है। महात्मा गांधी ने इसी कारण जरूरतों के हिसाब से आय को बढाने की आवश्यकता बताई, ताकि आय का वितरण आम आदमी तक पहुंचना समान रूप से संभव हो सके। कक्कड़ ने यह भी बताया कि महात्मा गांधी ने अहम के त्याग को महत्व दिया था, क्योंकि अहम के कारण ही हिंसा का जन्म होता है। अहम व्यक्तियों को परस्पर एक दूसरे से दूर करता है और हिंसा का पैदा करता है। कोई भी व्यक्ति कोई पद ग्रहण करता है तो उसे अहम को छोड़ कर पद की गरिमा को बनाये रखना चाहिये। इससे छोटी-मोटी समस्यायें तो स्वतः ही दूर हो जाती है।

कार्यक्रम में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने महात्मा गांधी के जीवन के अनेक अछूते प्रसंगों का उल्लेख किया तथा उनके द्वारा प्रतिपादित जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

Scanned with CamScanner

उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने स्वच्छ भारत का नारा देकर महात्मा गांधी के आदर्शों को क्रियान्वित करना शुरू किया है और इस मुहिम में पूरा देश खुले में शौच मुक्त होने जा रहा है और पूर्ण स्वच्छता की ओर संकल्पबद्ध होकर आगे बढ़ रहे हैं। शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने महात्मा गांधी के बताये मूल्यों पर चलने की आवश्यकता बताई। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने बताया कि गांधी ने सर्वांगीण शिक्षा पर जोर दिया था तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता बताई। योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने गांधी के आदर्शों पर चलते हुये दलितों से दूरियां घटाने पर बल दिया। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. गोविन्द सारस्वत ने गांधी के सत्य व अहिंसा के रास्ते में समस्त समस्याओं के समाधान का मार्ग बताया और वंचितों के उत्थान पर ध्यान देने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में मुमुक्षु सारिका, छात्र पारस जैन व मेहनाज बानो ने भी अपने विचार प्रकट किये। डा. प्रगति भटनागर ने अंत में आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. रेखा तिवाड़ी, आरके जैन, डा. सरोज राय, डा. मनीष भटनागर, डा. अमिता जैन, डा. सत्यनारायण भारद्वाज, डा. योगेश जैन, डा. विकास शर्मा, डा. गिरीराज भोजक, डा. भावाग्रही प्रधान, डा. अशोक भास्कर, डा. पुष्पा मिश्रा, अभिषेक चारण, सोनिका जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

एनएसएस ने गत 15 सितम्बर से एक पखवाड़े का आयोजन करके विविध कार्यक्रमों व प्रतियागिताओं का आयोजन किया। मंगलवार को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम सरिता शर्मा, द्वितीय महिमा प्रजापत व तृतीय नर्मदा खेतरवाल रही। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम मनोज दुसाद, द्वितीय बीनू रही। गायन प्रतियोगिता में प्रथम अर्चना शर्मा, द्वितीय निलोफर बानों एवं प्रियंका सोनी, तथा तृतीय सरिता शर्मा रही।

Pragati
(कार्यक्रम अधिकारी
एन एस एस
जै वी भा सं
लाडनूं

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना

जैन विश्वभारती संस्थान

इकाई प्रथम एवं द्वितीय

तृतीय एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर की रिपोर्ट

दिनांक 01.12.2018

एक दिवसीय एड्स जनजागृति कार्यक्रम

प्रथम चरण

जैन विश्वभारती संस्थान में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम एवं द्वितीय इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस राजकीय चिकित्सालय में डॉ. कमलेश कस्वा की अध्यक्षता में मनाया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वितीय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. युगल किशोर दाधीच ने विश्व एड्स दिवस की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक रखा गया जिसमें प्रत्येक नागरिक को रेड रिबन का प्रतीक चिन्ह देकर जागरूकता संदेश द्वारा जैन विश्वभारती संस्थान से लेकर राजकीय चिकित्सालय तक बैनर से एड्स विरोधी रैली का आयोजन किया गया। रैली को सम्बोधित करते हुए डॉ. कमलेश कस्वा ने कहा कि एड्स की समस्या आतंकवाद से भी घातक है। इस समस्या का समाधान शैक्षिक परिदृश्य में जागरूकता के द्वारा किया जा सकता है। कार्यक्रम में जैन विश्वभारती संस्थान के प्राध्यापक सोनिका जैन, डॉ. बलवीर सिंह चारण, सोमवीर सांगवान, अभिषेक चारण, सुश्री रामा चौधरी, सुश्री अपूर्वा घोड़ावत, योगेश टाक उपस्थित थे। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने किया।

द्वितीय चरण

शिविर के द्वितीय चरण में एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 20 स्वयं सेविकाओं ने भाग लिया।

Pragati
(कार्यक्रम अधिकारी
एन.एस.एस.
जै.वी.भा.सं.
लाडनूं

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय में संचालित एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह 11–17 जनवरी, 2017 को आयोजित

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया। इस दौरान सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जैसे– नारा लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत बाकलिया ग्राम (लाडनू) के सरकारी विद्यालय में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया अया तथा साथ ही जनजागृति हेतु गांव में एक रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जो ग्रामीणों द्वारा सराहा गया।

कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना
जैन विश्वभारती संस्थान
इकाई प्रथम एवं द्वितीय

सात दिवसीय एन.एस.एस. शिविर की रिपोर्ट
1–7 फरवरी, 2019

दिनांक 01.02.2019

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारम्भ

प्रथम चरण

दिनांक 01 फरवरी, 2019 को राष्ट्रीय सेवा योजना, जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) इकाई प्रथम एव द्वितीय के सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि आचार्य कालू कन्य महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि महात्मा गांधी व स्वामी विवेकानन्द के स्वप्नों को साकार करने के लिये राष्ट्रीय सेवा योजना शुभारम्भ विद्यालयों व महाविद्यालय स्तर पर किया गया, जिसके द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, देश के नव निर्मा जनसेवा की भावनायें बलवती होती है। उन्होंने एनएसएस के कार्यक्रमों व नीतियों के बारे

Scanned with CamScanner

विस्तार से बताते हुये कहा कि राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है, इसकी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी, समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ीत लोगों की सहायता आदि समाजपयोगी कार्यों में रत रहने से विद्यार्थी जीवन से ही उनमें समाज सेवा या राष्ट्र सेवा के गुणो का विकास होता है।

विशिष्ट अतिथि जगदीश यायावर ने एनएसएस की समस्त स्वयंसेविकाओं से सात दिनों के शिविर में जन जागरूकता, समाज को समझने, श्रमदान करने, राष्ट्र के लिये काम करने आदि का पूरा आनन्द तल्लीनता के साथ लेने के लिये प्रेरित किया तथा कहा कि जब तक किसी कार्य को पूरे मनोयोग द्वारा नहीं किया जाता, तब तक उसे पूर्ण रूप से किये जाने व उसका अनन्द लेना संभव नहीं होता है। प्रभारी डा. प्रगति भटनागर ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के उद्देश्यों के बारे में बताते हुये सात दिनों के शिविर के कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी तथा गोद लिये गांवों में किये जाने वाले कामों के बारे में बताया।

संयोजक डा. जुगल किशोर दाधीच ने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का एकमात्र उद्देश्य युवा छात्रों को सामुदायिक सेवा देने में अनुभव प्रदान करना है। एनएसएस के उद्देश्यों में जिस समुदाय में काम कर रहे हैं, उसे समझना, समुदाय की समस्याओं को जानना और उन्हें हल करने के लिए उनको शामिल करना, सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना का विकास करना, समूह स्तर पर जिम्मेदारियों को बांटने के लिए आवश्यक क्षमता का विकास करना, आपातकाल और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उनको विकसित करना, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का अभ्यास करना आदि हैं, जिन्हें रूचिपूर्वक हंसते–खेलते हुये प्राप्त करना है। कार्यक्रम में छात्रा पूजा ने बेटी बचाओ बेटी पढाओ सम्बंधी संदेश देते हुये एक राजस्थानी गीतिका प्रस्तुत करते हुये लिंगभेद सम्बंधी सामाजिक विसंगतियों को प्रदर्शित किया। छात्रा दिव्यता कोठारी ने एनएसएस की योजना, कार्यक्रम व उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। रचना सोनी व कुसुम नाई ने प्रारम्भ में एनएसएस गीत प्रस्तुत किया। स्वयंसेविका प्रतिष्ठा कोठारी व दक्षता कोठारी ने संयुक्त रूप से संयोजन किया।

द्वितीय चरण

द्वितीय चरण में सभी छात्राओं को एक प्रेरणास्पद फिल्म आई एम कलाम दिखाई गई।

Scanned with CamScanner

दिनांक 02.02.2019

प्रथम चरण

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिवस सामाजिक व राष्ट्रीय मुद्दों पर आधारित गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागी छात्रायें सम्मिलित हुई, जिनमें से प्रथम स्थान पर स्नेहा पारीक, द्वितीय स्थान पर सोनम कंवर व तृतीय स्थान पर सरिता शर्मा रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने की। प्रतियोगिता की निर्णायक सोनिका जैन व अभिषेक चारण थे। कार्यक्रम का संचालन नगीना बानो ने किया। शिविर के प्रथम चरण में स्वयंसेविका छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के लिये संचार कौशल पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में फोनेटिक्स पर छात्राओं को प्रायोगिक अभ्यास करवाया गया।

Scanned with CamScanner

दूसरा चरण

शिविर के दूसरे चरण में छात्राओं को दिखाई गई फिल्म आई एक कलाम पर चर्चा का आयोजन किया गया। इसमें स्वयंसेविका सपना स्वामी ने अपने विचार प्रकट करते हुये कहा कि यह फिल्म हमें प्रेरणा देती है कि जीवन में कुछ भी हासिल किया जा सकता है और वह सब हम अपनी कर्मशक्ति से प्राप्त कर सकते हैं। प्रभारी डा. प्रगति भटनागर ने अंत में आभार ज्ञापित किया। डा. जुगलकिशोर दाधीच ने बताया कि रविवार को ये स्वयंसेविकायें लाडनूं शहर में घर–घर जाकर लोगों को साक्षरता के प्रति जागरूक करेंगी।

दिनांक 03.02.2019

शिविर के तृतीय दिन स्वयं सेविकाओं द्वारा साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी स्वयं सेविकाओं ने लाडनूं तथा आसपास के गांव में जाकर कम से कम दो लोगों को साक्षर करने का कार्य किया।

दिनांक 04.02.2019

प्रथम चरण

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेविका छात्राओं को सोमवार को एक विशेष मोटीवेशल प्रोग्राम के तहत आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया का उद्‌बोधन प्रदान किया गया।

Scanned with CamScanner

आचार्य पाटोदिया ने माता–पिता की सेवा को महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि आत्म नियंत्रण रखने से बहुत सारी समस्याओं पर विजय पाई जा सकती है। अपने आप पर काबू करना सबसे मुश्किल कार्य होता है, लेकिन यह असंभव नहीं है। आचार्य पाटोदिया ने कहा कि क्रोध समस्त समस्याओं की जड़ होता है इसलिये सबसे पहले अपने क्रोध को काबू में करना सीखो। क्रोध पर काबू रखने के लिये उन्होंने विभिन्न प्रयोग बताये तथा कहा कि इस तकनीक से क्रोध को नियंत्रण किया जा सकता है।

द्वितीय चरण

शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कहा कि एनएसएस की स्वयसेविकाओं को तो क्रोध रखना ही नहीं चाहिये, तभी वे राष्ट्रसेवा में सफल हो सकती है। कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं को पर्यावरण संरक्षण से सम्बंधित एक डॉक्युमेंटरी फिल्म दिखाई गई।

तृतीय चरण

एनएसएस समन्वयक डा.प्रगति भटनागर ने बताया कि इस शिविर के दौरान एक आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्नेहा पारीक, द्वितीय नगीना बानो और तृतीय स्थान पर दिव्यता कोठारी रही। सहायक आचार्य अभिषेक चारण व अपूर्वा घोड़ावत ने इसमें निर्णायक की भूमिका निभाई। शिविर के दौरान डा. सोमवीर सांगवान ने फोनोटक्स के बारे में एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन डा. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

दिनांक 05.02.2019

Scanned with CamScanner

सात दिवसीय शिविर के पांचवे दिन स्वयं सेविकाओं द्वारा श्रमदान एवं परीसर सौन्दर्यकरण का कार्य किया गया। सभी स्वयं सेविकाओं ने जैन विश्वभारती के सम्पूर्ण परिसर की सफाई कार्य किया साथ ही आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के गार्डन के चारों ओर रंगाई का कार्य किया।

दिनांक 06.02.2019

प्रथम चरण

शिविर के छठे दिन सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरपीएस अधिकारी धन्नाराम ने स्वयं सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा है कि जिन्दगी बड़ी अनमोल है, इसे मुफ्त में नहीं गवायें। जीवन को सार्थक बनाने के लिये अनुशासन बहुत आवश्यक है और इसी से राष्ट्र की सेवा संभव है। यातायात के नियमों का पालन करना इसी अनुशासन में शामिल है। सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिये स्वयं को लापरवाह होने से बचायें और सदैव सावधानी रखें। उन्होंने कहा कि कानून देश के सुसंचालन के लिये होते हैं। उनका पालन आवश्यक है। उन्होंने दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाना और दो से ज्यादा सवारी नहीं बैठाने को सुरक्षा व कानून दोनों दृष्टियों से जरूरी नियम बताया। इसी प्रकार चारपहिया वाहनों के चालकों के लिये सीट बेल्ट लगाने को आवश्यक नियम बताया। उन्होंने गति सीमा का ध्यान रखने का सब वाहन चालकों के लिये जरूरी बताया तथा वाहन चलाते हुये मोबाईल पर बात करने, ईयरफोन इस्तेमाल करने को अनुचित बताया तथा यातायात के नियमों का पालन नहीं करने और लापरवाही करते हुये गलती करने पर कानून माफ नहीं करता तो नियति भी माफ नहीं करती और व्यक्ति केवल अपना ही नहीं, बल्कि अपने परिवार, समाज और राष्ट्र का भी नुकसान करता है।

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि सेवा परायेपन को समाप्त करती है। इससे अपनत्व जुड़ता है और अहं पीछे छूटता है। जहां परायापन हो, वहां सेवा नहीं हो सकती। सेवा में अपनापन, मधुरता होनी चाहिये, तभी सेवा सही रूप होती है। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं से सेवा कार्य के लिये तत्पर रहने के लिये प्रेरित करते हुये कहा कि राष्ट्र सेवा में कभी चूक नहीं होनी चाहिये, तो यातायात के नियमों के पालन में भी चूक नहीं होनी चाहिये। प्रो. त्रिपाठी ने उदाहरण देते हुये कहा कि देश ने दो कद्दावर नेताओं राजेश पायलट व गोपीनाथ मुंडे को थोड़ी सी चूक के कारण सड़क दुर्घटनाओं में खो दिया था। जिन्दगी में थोड़ी सी चूक जिन्दगी छीन लेती है। मोबाईल व ईयर फोन का शौक हो, लेकिन कहीं वह शोक नहीं बन पाये, इसकी सावधानी भी जरूरी है। यातायात नियमों के पालन की शुरूआत स्वयं से करें और फिर समाज को बदलें। कार्यक्रम का शुभारम्भ एनएसएस के गीत से किया गया। स्वसेविका करिश्मा खान ने यातायात के नियम समझाये और उनका पालन करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस के प्रभारी डा. जुगल किशोर दाधीच ने आभार ज्ञापित करते हुये कहा कि देश भर में व्यापक रूप से हर स्तर पर संचालित सड़क सुरक्षा कार्यक्रमों के तहत हमारी एनएसएस की ईकाईयां भी भागीदार बना है, तो सड़क सुरक्षा नियमों का पालन स्वयं से ही शुरू करें। प्रत्येक चालक को सूझबूढ व सावधानी का प्रयोग करना चाहिये, इसीसे जीवन सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम का संचालन प्रतिष्ठा कोठारी ने किया।

द्वितीय चरण

द्वितीय चरण में रैली निकाल कर दिया संदेश

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने इस कार्यक्रम के पश्चात रैली निकाल कर आम लोगों को जागरूकता का संदेश दिया। इस रैली को जैविभा विश्वविद्यालय परिसर से पुलिस अधिकारी धन्नाराम व प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी व प्रो. अनिल धर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एनएसएस प्रभारी डा. प्रगति भटनागर के नेतृत्व में यह रैली छड्डी पट्टी, हरियाणा भवन, पहली पट्टी, सदर बाजार, गांधी चौक, राहूगेट आदि से होते हुये वापस विश्वविद्यालय लोटी। सभी स्वयंसेविकाओं ने अपने हाथों में सड़क सुरक्षा से सम्बंधित संदेश लिखी तख्तियां ले रखी थी और नारे लगाते हुये लोगों को यातायात नियमों के पालन व सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिये जागृत किया।

Scanned with CamScanner

दिनांक 07.02.2019

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) व आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्र सेवा योजना की दोनों इकाईयों के संयुक्त रूप से आयोजित सात दिवसीय शिविर का समापन गुरूवार को समारोह पूर्वक सम्पन्न किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुये कहा कि छात्राओं को मजबूत संकल्प के साथ साहसपूर्वक समस्त चुनौतियों का मुकाबला करना चाहिये। कोई भी मुसीबत कभी कह कर नहीं आया करती है, लेकिन अपनी क्षमता ऐसी होनी चाहिये कि इन हर मुसीबत से टकराने में पीछे नहीं हटें। उन्होंने पुरूषार्थ की महत्ता बताते हुये कहा कि कर्म के मैदान में पुरूषार्थी कभी पीछे नहीं कटा करते हैं। इसलिये कर्म को कभी भार नहीं समझें और कर्म में आनन्द का अनुभव करें। उन्होंने सेवा का अर्थ समझाते हुये कहा कि सेवा करने वाले को सेवा का लाभ अवश्य मिलता है। कार्यक्रम में अतिथि जगदीश यायावर ने कहा कि सात दिनों में जो कुछ सीखा, उसका उपयोग अपने जीवन में भी करना चाहिये। प्रभारी डा. जुगल किशोर दाधीच ने कहा कि अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की सीख तो सर्वत्र मिलती है, लेकिन अधिकरों के साथ दायित्वों का भी भान होना चाहिये। जहां सेवा का काम होता है, वहां कर्तव्य निभाना सबसे महत्वपूर्ण होता है। प्रभारी डा. प्रगति भटनागर ने सात दिनों में सीखे गये अनुभवों को अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी में उतारने के लिये प्रेरित किया।

Scanned with CamScanner

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े की रिपोर्ट

(15 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2018)

जैन विश्वभारती संस्थान, एवं एन.एस.एस. के संयुक्त तत्वावधान में

Scanned with CamScanner

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े की रिपोर्ट

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

(15 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2018)

दिनांक : 15.07.2018

स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारम्भ

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाईयों के अन्तर्गत शनिवार को यहां स्वच्छता ही सेवा-2018 अभियान का शुभारम्भ किया गया। शुभारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने स्वच्छता के महत्व को बताते हुये कहा कि स्वच्छ भारत मिशन की चैथी वर्षगांठ एवं महात्मा गांधी के 150वें जयंती महोत्सव के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान आगामी 2 अक्टूबर तक एनएसएस के तत्वावधान में चलाया जायेगा। इस अभियान का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के विजन को जन-आंदोलन के रूप में विकसित करने का है। प्रधानमंत्री ने इस अभियान की शुरूआत शनिवार को प्रातःकाल से की है। इस अभियान के आगामी 17 दिनों में प्रतिदिन विविध निर्धारित कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत जनमानस में सफाई के प्रति नजरिये व व्यवहार को बदलने के लिये घर-घर तक पहुंच कर प्रेरित किया जायेगा। स्वच्छता को लेकर जन-जागरण के लिये नाटक, पोस्टर, गायन एवं भजन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन

Scanned with CamScanner

करवाया जायेगा एवं रेली निकाल कर सफाई के प्रति जागरूकता पैदा करने सम्बन्धि अनेक कार्यक्रम एन.एस.एस. के स्वयं सेवकों के द्वारा सम्पन्न करवाये जायेंगे।

दिनांक : 17.07.2018

स्वच्छता ही सेवा पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम सरिता शर्मा, द्वितीय महिमा प्रजापत व तृतीय नर्मदा घेतरवाल रही। इसमें लगभग 200 छात्राओं की प्रतिभागिता रही। निर्णायक की भूमिका सहायक आचार्य श्री अभिषेक चारण एवं श्री सोमवीर सांगवान रहे।

दिनांक : 18.07.2018

स्वच्छता ही सेवा पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम मनोज दुसाद, द्वितीय बीनू रही। इसमें लगभग 20 छात्राओं की प्रतिभागिता रही। निर्णायक की भूमिका सहायक आचार्या सोनिका जैन एवं अपूर्वा घोड़ावत रहे।

Scanned with CamScanner

दिनांक : 19.08.2018

स्वयं सेविकाओं एवं सेवकों द्वारा पुरूष छात्रावास एवं महिला छात्रावास के प्रागण एवं परिसर की साफ–सफाई का कार्य किया गया जिसमें हॉस्टल वार्डन गीता पूनिया तथा एन.एस.एस. की दोनों ईकाइयों के समन्वयक डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं डॉ. प्रगति भटनागर की निर्देशन में किया गया। इसमें लगभग 200 स्वयं सेविकाओं एवं सेवकों की प्रतिभागिता रही।

दिनांक : 20–21.9.2018

Scanned with CamScanner

स्वयं सेविकाओं एवं सेवकों को स्वच्छता सम्बन्धित विभिन्न प्रेरणादायक डॉक्यूमेन्टरीज दिखाई गई तथा स्वच्छता के महत्व को समझाया गया।

दिनांक 22.9.2018 को गांधी जी के आदर्शों को प्रतिपादित करने वाले नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। रश्मि एवं समूह ने प्रथम स्थान और नन्दिनी एवं समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इन दोनों प्रतियोगिताओं में निर्णाक डा. पुष्पा मिश्रा व डा. गिरधारीलाल शर्मा थे।

दिनांक 24.9.2018

जैविभा विश्वविद्यालय में एनएसएस दिवस मनाया

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में एनएसएस दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि सेवा की भावना होने से ही जीवन की सफलता कही जा सकती है। सेवा हमेशा निःस्वार्थ होती है, जिसमें एक हाथ से सेवा करें तो दूसरे हाथ को आभास तक नहीं हो। सेवा का ढिंढोरा पीटना तो सेवा नहीं बल्कि केवल प्रदर्शन होता है। सेवा संवेदना के बिना संभव नहीं है। संवेदना से किसी के प्रति करूणा भाव जागृत होता है और सेवा के लिये व्यक्ति तत्पर हो जाता है। उन्होंने कहा कि जीवन का महत्वपूर्ण गुण गतिशीलता सेवा से आता है। इससे जीवन में झरने की भांति ताजगी और पारदर्शिता रहती है। जिस प्रकार गतिहीनता के कारण ठहरा हुआ पानी सड़ जाता है, वहीं व्यक्ति गति के बिना किसी महत्व का नहीं रहता है। डा. जुगल किशोर दाधीच ने कहा कि छोटे-छोटे संकल्पों के माध्यम से जीवन में सेवा भाव को सहज रूप से विकसित किया जा सकता है। सेवाभाव के जीवन में आने से व्यक्ति सरल, सहज, उदार, करूणामयी और

Scanned with CamScanner

सामाजिक बन जाता है। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की एनएसएस इकाई की समन्वयक डा. प्रगति भटनागर ने एनएसएस के स्थापना के समय से लेकर वर्तमान तक की गतिविधियों आदि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्वयंसेविका माधुरी सोनी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, कार्यक्रमों एवं सेवा कार्यों आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। प्रारम्भ में सरिता शर्मा ने एनएसएस गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर गांधी जी के जीवन से सम्बन्धित भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें 28 प्रतिभागी छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से प्रथम स्थान पर पूजा कुमारी रही। द्वितीय स्थान पर मुमुक्षु आरती व तृतीय स्थान पर मुमुक्षु सारिका रही।

दिनांक 25.9.2018

विश्वविद्यालय के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं एन.एस.एस. के तत्वावधान में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभाग के विभिन्न परिसरों की साफ-सफाई का विभाग के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, सहायक आचार्य – डॉ. प्रगति भटनागर, श्री कमलकुमार मोदी, श्री मधुकर दाधीच, श्रीमती सोनिका जैन, डॉ. बलबीर सिंह चारण, श्री अभिषेक चारण, श्री सोमवीर सांगवान, सुश्री रत्ना चौधरी, सुश्री अपूर्वा घोड़ावत, श्री योगेश आदि ने छात्राओं के साथ मिलकर सफाई-कार्य में अपना श्रमदान किया।

Scanned with CamScanner

दिनांक 26.9.2018

स्वयं सेवक एवं सेविकाओं, कुलसचिव तथा आचार्य कालू महाविद्यालय के स्टॉफ द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम करवाया गया जिसमें लगभग 30 पौधे लगाये गये जिसमें नीम, गुडहल, कनेर आदि कई तरह के पौधे थे।

दिनांक 27.9.से 01.10.2018

इन दिनों विश्वविद्यालय में स्वयं सेवक एवं सेविकाओं द्वारा परिसर की स्वच्छता एवं सौन्दर्यकरण का कार्य किया गया।

Scanned with CamScanner

दिनांक 02.10.2018

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों की स्वयंसेविकाओं ने जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया। रैली में छात्राओं ने विविध नारे लिखी तख्तियां लेकर एवं नारे लगाते हुये महात्मा गांधी के संदेशों को आम जन तक पहुंचाया। रैली को मंगलवार को प्रातः विश्वविद्यालय परिसर से आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस अवसर पर प्रो. अनिल धर, डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, डा. जुगल किशोर दाधीच, डा. प्रगति भटनागर, सोनिका जैन आदि उपस्थित रही। एनएसएस ने गत २८ सितम्बर से एक पखवाड़े का आयोजन करके विविध कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। मंगलवार को गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष के अवसर पर यहां जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में यहां आचार्य महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने आवश्यकता और आय के संतुलन को आवश्यक बताते हुये कहा कि महात्मा गांधी का यह मुख्य सिद्धांत था कि अपनी जरूरत के लिये आमदनी करनी चाहिये, लेकिन अपनी आमदनी के लिये जरूरतों को बढाना नहीं चाहिये। उन्होंने देश की आबादी के एक प्रतिशत के पास आय का एकत्रिकरण और 75 प्रतिशत आबादी की आवश्यकतायें तक पूरी नहीं हो पाने को अनुचित व असंतुलन बताते हुये कहा कि इससे जो आम नागरिक की प्रति व्यक्ति आय का औसत निकाला जाता है, वह कभी सही नहीं कहा जा सकता है। महात्मा गांधी ने इसी कारण जरूरतों के हिसाब से आय को बढाने की आवश्यकता बताई, ताकि आय का वितरण आम आदमी तक पहुंचना सामान रूप से संभव हो सके। कक्कड़ ने यह भी बताया कि महात्मा गांधी ने अहम के त्याग को महत्व दिया था, क्योंकि अहम के कारण ही हिंसा का जन्म होता है। अहम व्यक्तियों को परस्पर एक दूसरे से दूर करता है और हिंसा का पैदा करता है। कोई भी व्यक्ति कोई पद ग्रहण करता है तो उसे अहम को छोड़ कर पद की गरिमा को बनाये रखना चाहिये। इससे छोटी-मोटी समस्यायें तो स्वतः ही दूर हो जाती है।

Scanned with CamScanner

गांधी प्रतिपादित मूल्यों को अपनाने की जरूरत

कार्यक्रम में दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने महात्मा गांधी के जीवन के अनेक अछूते प्रसंगों का उल्लेख किया तथा उनके द्वारा प्रतिपादित जीवन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने स्वच्छ भारत का नारा देकर महात्मा गांधी के आदर्शों को क्रियान्वित करना शुरू किया है और इस मुहिम में पूरा देश खुले में शौच मुक्त होने जा रहा है और पूर्ण स्वच्छता की ओर संकल्पबद्ध होकर आगे बढ रहे हैं। शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने महात्मा गांधी के बताये मूल्यों पर चलने की आवश्यकता बताई। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने बताया कि गांधी ने सर्वांगीण शिक्षा पर जोर दिया था तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता बताई। योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने गांधी के आदशों पर चलते हुये दलितों से दूरियां घटाने पर बल दिया। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा. गोविन्द सारस्वत ने गांधी के सत्य व अहिंसा के रास्ते में समस्त समस्याओं के समाधान का मार्ग बताया और वंचितों के उत्थान पर ध्यान देने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में मुमुक्षु सारिका, छात्र पारस जैन व मेहनाज बानो ने भी अपने विचार प्रकट किये। डा. प्रगति भटनागर ने अंत में आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रो. रेखा तिवाड़ी, आरके जैन, डा. सरोज राय, डा. मनीष भटनागर, डा. अमिता जैन, डा. सत्यनारायण भारद्वाज, डा. योगेश जैन, डा. विकास शर्मा, डा. गिरीराज भोजक, डा. भाबाग्रही प्रधान, डा. अशोक भास्कर, डा. पुष्पा मिश्रा, अभिषेक चारण, सोनिका जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

Pragati
(कार्यक्रम अधिकारी)
एन.एस.एस.
जै.वि.भा.सं.,
लाडनूं

Scanned with CamScanner

सामाजिक उत्थान में महिला शिक्षा की उपयोगिता

26 सितम्बर, 2017 को महिला शिक्षा की आवश्यकता पर संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से 06 से 14 वर्ष की बालिकाओं की शिक्षा की आवश्यकता पर बात की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने शिक्षा को शोषण से बचने का प्रभावशाली माध्यम बतलाया। उन्होंने यह भी बतलाया कि आपके पास यदि सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के कार्यक्रम चल रहे हैं तो उनमें अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वाह करना प्रत्येक स्वयं सेवक का दायित्व है। अतः हमें इस दायित्व का निर्वाह भी ईमानदारी से करना चाहिए। इस कार्यक्रम में इकाई प्रभारी डॉ. प्रगति भटनागर उपस्थित रहे। शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि बालिकाएं शिक्षा से वंचित रहे जाते हैं तो इसका नकारात्मक प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 08.11.2017, जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में एड्स जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इसके तहत डॉ. सारण, लाडनूं राजकीय चिकित्सालय ने स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को एड्स के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी। उन्होंने बताया कि एच.आई.वी./एड्स वायरस से जीवन रक्षा कैसे की जाती है? यह वायरस कैसे मानव शरीर में पहुंचता है? कैसे अपने आपको विकसित करता है एवं हमारे शरीर में रोग से लड़ने वाली रोग–प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट करता है की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से हमें डरने की जरूरत नहीं है बल्कि हम जागरूक रह कर स्वयं को एवं दूसरे व्यक्तिओं को भी इस बीमारी से बचा सकते हैं।

आचार्य कालू कन्या प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने भी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं को एड्स जागरूकता हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि एड्स से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है अपितु इसके प्रति जागरूक रहने की एवं समाज में इसके प्रति जागरूकता उत्पन्न करना सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

नशामुक्ति रैली का आयोजन

दिनांक 18 नवम्बर, 2017

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्त्वावधान में एक नशामुक्ति रैली का आयोजन किया गया। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा लाडनूं शहर के मुख्य मार्गों से एक जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें लोगों को नशामुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। नशामुक्ति सम्बन्धी नारों द्वारा लोगों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित किया गया। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस रैली का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम प्रभारी डॉ. प्रगति भटनागर एवं इकाई द्वितीय प्रभारी डॉ. बी. प्रधान के निर्देशन में किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में कन्या भ्रूण हत्या जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 15.09.2017, जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में भ्रूण हत्या जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या को समाज के लिए एक कलंक बताया। उन्होंने कहा कि आज भी कन्या भ्रूण हत्या एक गंभीर समस्या है और इसके प्रतीक जागरूकता उत्पन्न करना बहुत जरूरी है। इस मौके पर शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी.एल. जैन ने भी अपने विचार रखे तथा इस अभिशाप से समाज को मुक्त कराने हेतु छात्राओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर एन.एस.एस. की स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने भी अपने विचार रखे तथा गीतों के माध्यम से भी अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान ने भी अपने विचारों द्वारा छात्राओं को जागरूक किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या प्रति समाज में जागरूकता उत्पन्न करना सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाओं का प्रथम उद्देश्य होना चाहिए।

Pragati

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

भारत सरकार के स्वच्छता अभियान के तहत दिनांक 20.09.2017, को सम्पूर्ण स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी कालू कन्या महाविद्यालय के निर्देशन में किया गया, जिसके तहत विश्वविद्यालय परिसर की पूर्णरूप से सफाई की। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की सेविकाओं ने अत्यन्त उल्लास के साथ समस्त कक्षाओं एवं लेबस् तथा अन्य कमरों की सफाई की गई। इस दौरान पुरूष एवं महिला छात्रावास के भी परिसर को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने अपनी भूमिका पूर्णरूप से निभाई। यह कार्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 17.08.2017, को जैन विश्वभारती संस्थान की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में श्रमदान का आयोजन किया गया। जिसके तहत कालूकन्या महाविद्यालय के परिसर में श्रमदान का कार्य किया गया। परिसर के उद्यानों में कचरा उठाकर उन्हें स्वच्छ बनाया। इसके अतिरिक्त परिसर के स्वयं सवेक एवं सेविकाओं ने कक्षाओं, लेबस्, बरामदों तथा अन्य कमरों की सफाई की गई। परिसर में जंगली पेड़–पौधों को निकाल कर स्वच्छता का सन्देश दिया। प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने छात्राओं को श्रमदान का महत्व समझाते हुए कहा कि श्रमदान से परिसर तो साफ होता ही है साथ ही साथ यह हमें स्वस्थता भी प्रदान करता है।यह कार्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बी. प्रधान एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एनएसएस द्वारा कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 08 मार्च, 2019 को जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) की एनएसएस की दोनों ईकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुये प्रो. रेखा तिवाड़ी ने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं को पूजा योग्य एवं देवी के समान माना गया है, लेकिन आज स्थितियां अलग है। वास्तविकता बदल चुकी है। इसलिये अब महिलाओं को खुद को साबित करने की जरूरत है। महिलाओं के लिये अपने परिवार, केरियर, मनोरंजन, बदलती परिस्थितियों आदि सब में सांमजस्य बनाकर चलना होता है। इसलिये हर परिस्थिति के लिये महिलाओं को मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को अपने केरियर के सम्बंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सभी छात्रायें अभी से अपने केरियर के लिये लक्ष्य तय करके आगे बढें। केरियर हमेशा अपनी रूचि के अनुसार चुनना चाहिये, ताकि आसानी से बिना तनाव के उस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने अपने व्यक्तव्य द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। अन्त में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती मान्य विश्वविद्यालय में संचालित एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह 11–17 जनवरी, 2019 को आयोजित

जैन विश्वभारती संस्थान में एन.एस.एस. की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जुगल किशोर दाधीच एवं डॉ. प्रगति भटनागर के निर्देशन में किया गया। इस दौरान सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जैसे– नारा लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कार्यक्रम के तहत दूजार ग्राम (लाडनूं) के सरकारी विद्यालय में स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया अया तथा साथ ही जनजागृति हेतु गांव में एक रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जो ग्रामीणों द्वारा सराहा गया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

सद्भावना कार्यक्रम का सभाभवन डोम्बीवैली में आयोजन

18 जनवरी, 2019 को सभा भवन डोम्बीवैली में एक सद्भावना कार्यक्रम का आयोजन एन.एस.एस. जैन विश्वभारती संस्थान द्वारा किया गया। इस अवसर पर एन.एस.एस. के स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने सद्भावना गीत एवं विचारों द्वारा अपनी अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी धर्म के लोगों में सम्भाव होने से राष्ट्र का विकास सम्भव है। सद्भावना से राष्ट्र सुदृढ़ बनता है एवं प्रगति पथ अग्रसर होता है। विश्व में मैत्री भाव द्वारा विश्व में साम्प्रदायिक सद्भावना, समझदारी एवं सहयोग की आवश्यकता है। सद्भावना के विकास के लिए व्यक्ति, धर्म, नस्ल, जाति, क्षेत्र आदि के प्रति सहिष्णुता की भावना आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने भी वैश्विक सद्भावना पर अपने विचार व्यक्त किये। अन्त में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रगति भटनागर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

(डॉ. प्रगति भटनागर)
एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी

Scanned with CamScanner

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ–341 306

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत मान्य विश्वविद्यालय)

दिनांक : 28.09.2016

जैविभासं/2016//89

सूचना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस (दिनांक 2 अक्टूबर) के उपलक्ष्य में दिनांक 30.09.2016 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय : 10.30 बजे प्रातः

स्थान : महाप्रज्ञ सभागार

Ravindra Singh

(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु–

1. समस्त विभागाध्यक्ष इस अनुरोध के साथ कि वे अपने विभाग के शिक्षक, शोधार्थी छात्र एवं छात्राओं को सूचित कराने का कष्ट करें।
2. समस्त अधिकारीगण
3. लेखा शाखा
4. वरिष्ठ निजी सहायक कुलपति एवं
5. निजी सहायक कुलसचिव

Ravindra Singh

(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

अहिंसा एवं शान्ति विभाग

जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 30.09.2017

सूचना

अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस तथा गांधी जयन्ती (2 अक्टूबर) के पूर्व दिवस पर अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। आप सभी से सादर अनुरोध है कि कार्यक्रम में भाग लेकर अनुग्रहित करें।

समय – अपराह्न 02:30 बजे
दिनांक – 01 अक्टूबर,2017
स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

30/9/17

(डॉ.जुगल किशोर दाधीच)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य आ का क. महाविद्यालय, समस्त अधिकारी एवं अनुभाग अधिकारी को इस आदेश के साथ प्रेषित कि वे अपने–अपने विभाग के प्राध्यापकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित करने का कष्ट करावें।
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. सूचना पट्ट

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 09.12.2016

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.12.2016 को अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया जायेगा, जिसमें आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

समय – प्रातः 11:30 बजे
स्थान – सेमीनार हॉल (शैक्षणिक खण्ड)

(डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि:–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य आ. का. क. महाविद्यालय, समस्त अधिकारी एवं अनुभाग अधिकारी को इस आशय के साथ प्रेषित कि वे अपने–अपने विभाग के प्राध्यापकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित करने का कष्ट करावें।
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. सूचना पट्ट

शोध परियोजना

अनेकान्त एण्ड वेस्टर्न फिलॉसाफी प्रोजेक्ट स्वीकृत

भारत सरकार के इण्डियन काउन्सिल ऑफ सोशियल सांइस संस्थान, नई दिल्ली द्वारा जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर को वरिष्ठ राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति हेतु अनेकान्त एण्ड वेस्टर्न फिलॉसाफी विषय पर प्रोजेक्ट स्वीकृत किया गया है। इस प्रकार के प्रोजेक्ट स्वीकृत होने से विद्वानों व शोधार्थियों को अनेकान्त व वेस्टर्न फिलॉसाफी पर अधिक से अधिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

पॉलिथिन प्रतिबन्ध जागरूकता अभियान

संस्थान के समाज कार्य विभाग के तत्वावधान में पॉलिथिन प्रतिबन्ध जागरूकता अभियान का आयोजन 1 फरवरी, 2016 को किया गया। 'पर्यावरण बचाओ-पॉलिथिन हटाओ' अभियान के अन्तर्गत समाज कार्य के विद्यार्थियों ने लाडनूं क्षेत्र के विविध स्थलों पर जाकर पॉलिथिन के दुष्परिणामों की जानकारी दी। इस अवसर पर पॉलिथिन प्रतिबन्ध पोस्टर का भी वितरण किया गया।

युवा दिवस का आयोजन

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय व एन.एस.एस. इकाई के तत्वावधान में स्वामी विवेकानन्द का जन्म दिन युवा दिवस के रूप में 13 जनवरी को मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति को विश्व समाज के सामने पहुंचाने का विशिष्ट कार्य किया है। कार्यक्रम में शिक्षाप्रद डॉक्युमेन्ट्री का प्रदर्शन भी किया गया। अनेक विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। संयोजन दिव्या जांगीड़ ने किया।

इसी प्रकार योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के तत्वावधान में युवा दिवस को 'कॅरियर डे' के रूप में मनाया गया। डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. पुष्पा मिश्रा, डॉ. जीतेन्द्र वर्मा, डॉ. लक्ष्मण माली, इन्द्राराम पूनिया ने स्वामी विवेकानन्द के प्रसंगों के माध्यम से अपनी बात कही। कार्यक्रम का संयोजन पूनम सैनी ने किया।

संस्थान के शिक्षा विभाग में भी युवा दिवस का आयोजन किया गया। समारोह में डॉ. मनीष भटनागर, डॉ बी. प्रधान, सुमन चौधरी, सीता मेहरा, खुशबू योगी, सुमन स्वामी, सुमन महला, मंजू आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन डॉ अमिता जैन ने किया।

गणतंत्र दिवस मनाया

26 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने प्रात:काल झण्डा रोहण किया।

इस अवसर पर उपस्थित संस्थान सदस्य को संबोधित करते हुए कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि लोकतंत्र की रखा करना हम प्रत्येक नागरिकों का कर्त्तव्य है। कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि भारत दुनियां का एक बहुत बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमें लोकतंत्र की के दायित्व के निर्वहन के लिए सदा तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया।

एक दिवसीय एन.एस.एस. शिविर

संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय एवं एन.एस.एस. की इकाई के तत्वावधान में सामाजिक चेतना जागरण पर एक शिविर का आयोजन 15 जनवरी को किया गया। इकाई की स्वयंसेविकाओं ने सब्जी मण्डी, राहू गेट एवं आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। द्वितीय चरण में स्वंय सेविकाओं द्वारा पतंग पर सामाजिक चेतना के स्लोगन लिखकर पतंगें भी उड़ाई गईं।

योग एवं नेचुरोपैथी का प्रोजेक्ट स्वीकृत

राजस्थान सरकार के राजस्थान कौशल विकास एवं आजीविका विकास निगम जयपुर द्वारा हेल्थ केयर के लिए जैन विश्व भारती संस्थान की एक वृहद परियोजना तीन से पांच वर्षों तक के लिए स्वीकृत की गई है। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत लाडनूं एवं जयपुर के युवाओं के कौशल विकास के अन्तर्गत योग एवं नेचुरोपैथी का नि:शुल्क आवासीय एवं डे स्कॉलर प्रशिक्षण दिया जायेगा।

इस प्रोजेक्ट को निगम के अधिकारी विश्वास पारीक एवं संस्थान के कुलसचिव ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर कर स्वीकृत किया। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत युवाओं को तीन माह का नि:शुल्क आवासीय व गैर आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

Youth Camp
FOR

शांति कायम करने के लिये सामर्थ्यवान बनना जरूरी

अहिंसा एवं शांति प्रशिक्षण के लिये युवा शिविर का आयोजन

अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के प्रशिक्षण के लिये एक दिवसीय युवा शिविर का आयोजन 8 फरवरी को हुआ। शिविर के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुये रजिस्ट्रार विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा, जब तक बच्चा दिल से सोचता है, वह सही रहता है, लेकिन जब से दिमाग से सोचना शुरू करता है तो समाज की विकृतियां उस पर हावी होने लगती है। हमें समाज को बुनियाद से सुधारना है। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय सामाजिक मूल्यों को मानता है और उन्हीं के प्रसार का कार्य कर रहा है। कक्कड़ ने कहा- अपने आपको समर्थ बनाये बिना किसी को अपनी बात मनवाना मुश्किल होता है। केवल सामर्थ्यवान ही अपनी बात को सबको मनवा सकता है। इसके लिये अच्छी शिक्षा, अच्छा कैरियर, अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी भाषा का होना जरूरी है। इन सबसे ही व्यक्ति सामर्थ्यवान बनता है और वह शांति स्थापित कर सकता है।

हर युवा भीतर से मजबूत बने

प्रो. अनिल धर ने अपने सम्बोधन में बताया कि हमारी युवा शक्ति पर ही आने वाले भारत का दायित्व आयेगा। भारत शक्तिशाली बने, इसके लिये हर युवा को भीतर से मजबूत बनना होगा। दयानन्द सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय के निदेशक हरेकृष्ण शर्मा ने बाहरी व आंतरिक हिंसा के बारे में बताया तथा अपने अंदर विचारों की हिंसा, घृणा, द्वेष आदि का त्याग करने की आवश्यकता बताई। प्रारम्भ में विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के प्रभारी डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने युवा शिविर की प्रस्तावना प्रस्तुत की तथा कहा हिंसा को समाज से मिटाने के लिये और युवाओं को नई सोच, नई दिशा देने के लिये जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयास कर रहा है। डा. जुगल दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन शिविर संयोजक डा. विकास शर्मा ने किया। युवा शिविर में 100 सम्भागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के डा. अशोक भास्कर ने अहिंसा प्रशिक्षण के प्रायोगिक अभ्यास करवाये। युवाओं को अनुप्रेक्षा, विशेष आसन, प्राणायाम एवं विभिन्न यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया।

International Trip to Florida International University (FIU), USA

Prof. Samani Satya Pragya and Dr. Samani Rohini Pragya continued teaching in the spring semester 2017 after the fall semester 2016 at FIU. In this semester they taught five courses namely, Introduction to Asian Religions, Meditation and Spiritual Development, Healing in Asian Religions, Sanskrit language, Sanskrit Literature of which one was online course. In total one hundred and five students participated in these courses.

Both the Samani ji conducted Preksha Club activities that consists of eighty-five members as well as in the Law College of FIU through out the semester. Guest lecture on Jainism were delivered among the graduate students of FIU enrolled with Prof. Steven Vose's. Online guest lectures on Jainism were delivered in the university of Dallas, and Los Angles. Apart from this they visited Rice University of Huston, Texas Duke University of Raleigh, North Carolina. Samani Rohini Pragya gave a introductory speech on the occasion of Bhagwan Mahavira Janma Kalyanaka lecture series at FIU. Samani Satya Pragya and Samani Rohini Pragya were the panelists on film screening on Santhara: A Challenge to Indian Secularism. Samani ji organized a intensive meeting of Jain Education and Research Foundation (JERF) at FIU regarding the planning and projects of JERF.

Guest lectures arranged in the department of Religious Studies, as well as other forums of FIU were well received by Samani ji. They participated in the conference on Women in Philosophy arranged by Philosophy Club. Samani Rohini Pragya became the complementary winner in the Library Fair arranged by FIU library.

Annual Preksha Mediation Camps for three days were organized by respective JVB centers of Orlando and London in which both the samani ji were resource persons. Lectures on A's of Jainism were delivered throughout the year in Jain Temple, Miami dealing lectures on Ahimsa, Aparigrha, Anekanta, Anushasan, Abhay, Arhat, Anukampa etc. Participation in Vegan club, Plant based diet club, Tao Temple lectures with Master Lee on Chinese Religion and Philosophy was part of the stay at Miami.

We had wonderful co-operation from the Dean John Stack, Head of Religious study Department Prof. Erick Larson, Prof. Steven Vose, Director of Jain Studies Professorship Chair, Admistrative department Luz, Yusimi and all at FIU and the entire Jain community of Miami as well as all who were in touch from different states of North America.

योग प्रदर्शनी एवं कार्यशाला आयोजन

उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम

योग से ही जीवन विकास संभव - प्रो. सुदर्शन राव

संस्थान के योग, जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान विभाग के तत्त्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपखण्ड स्तरीय विशाल योग कार्यक्रम जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा में आयुर्वेद विभाग, उपखण्ड प्रशासन एवं जैन विश्व भारती संस्थान के तत्त्वावधान में समारोह पूर्वक 21 जून, 2015 को आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली के प्रो. सुदर्शनराव ने योग की मीमांसा करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति रही है। उन्होंने कहा कि योग जीवन में धारण करने से ही जीवन में व्याप्त समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। प्रो राव ने जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के योग विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां योग का विशिष्ट कार्य हो रहा है। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने से विश्वस्तर पर योग की महत्ता उजागर होगी। उन्होंने कहा कि योग से जीवन को संतुलित बनाया जा सकता है।

समारोह में उपस्थित तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि श्री सुखलाल ने कहा कि योग से विश्वस्तर पर भारत का प्रभाव पड़ेगा। योग के नियमित प्रशिक्षण को जरूरी बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि इससे क्रोध निवारण सहित अनेक लाभ संभव है। कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी मुरारीलाल शर्मा ने कहा कि योग से जीवन शैली में बदलाव होने के साथ शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक विकास में भी वृद्धि की जा सकती है। इस अवसर पर नगरपालिकाध्यक्ष बच्छराज नाहटा एवं जैन विश्व भारती के अध्यक्ष डॉ. धर्मचन्द लूंकड़ भी मंच पर उपस्थित थे। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने स्वागत वक्तव्य दिया। कार्यक्रम में सामूहिक योग प्रदर्शन प्रोटोकॉल के अन्तर्गत 33 मिनट का रखा गया। विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रभारी डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी ललित राजपुरोहित, पायल दाधीच, निकिता उत्तम, मोनिका सेठिया, अनुश्री जाखड़, माधुरी जरिया, सुनिता, मंजू, विद्या आदि ने योग का प्रदर्शन किया। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योग प्रशिक्षिका प्रज्ञा बहन झाला ने योग का खम्भ प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में लाडनूं नगर की अनेक संस्थाओं के सह आयोजन में सामूहिक योग प्रदर्शन में हजारों लोगों ने लाभ लेकर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सामूहिक योग के अलावा योग प्रदर्शनी एवं योग कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा सह-आयोजक संस्थाओं पंतजलि योग समिति, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, विश्व हिन्दू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बजरंग दल, दुर्गादल, गौपुत्र सेना, व्यापार मण्डल, दरगाह उमराव शहीद गाजी कमेटी, अंजुमन तेजेआम, आदर्श विद्या मन्दिर, जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ कन्या मण्डल, युवक परिषद, अणुव्रत समिति, सेवाभावी आयुर्वेदिक रसायन शाला, राष्ट्रीय सेवा दल, नेशनल कैडेट कोर, अल्पसंख्यक अधिकारी एवं कर्मचारी महासंघ, दशहरा मेला समिति का सम्मान किया गया। संयोजन डॉ. विवेक माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में दो हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता दर्ज की।

मानव अधिकार दिवस

संस्था के अहिंसा एवं शांति विभाग, द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को मनाया गया। इस अवसर पर अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने मानव अधिकारों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्राच्य विद्या एवं भाषा विभाग के प्रो. दामोदर शास्त्री ने वैदिक व पौराणिक युग में मानव अधिकारों पर प्रकाश डाला तथा अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन पर विशेष जोर देने की बात कही। इस उपलक्ष पर समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पुष्पा मिश्रा ने महिला अधिकारों के सरंक्षण को ध्यान में रखकर विश्व पटल पर होने वाली घटनाओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने वर्तमान में मानव अधिकारों के लिए किए जाने वाले प्रयासों के बारे में जानकारी दी। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि मानव अधिकार मनुष्य को केन्द्र में रखकर बनाये गये हैं। उन्होंने जैन दर्शन के परस्परोपग्रहो जीवानाम् के सिद्धान्त पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने विश्व स्तर पर होने वाली हिंसा को कैसे रोका जाए तथा मानव अधिकारों का संरक्षण के प्रति जागरूकता कैसे लायी जाए, इस बात पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने कहा कि मानव अधिकार को हर समय याद रखना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. विकास शर्मा ने किया।

विद्यार्थी चुनौतियों का सामना करना सीखें - कुलपति

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के अन्तर्गत 3 सितम्बर, 2016 को शिक्षक दिवस पर आयोजित नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत कार्यक्रम के अवसर संस्थान के कुलपति प्रो. बी. आर. दूगड़ ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों का सामना करना सीखना चाहिए। शिक्षा से ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है।

कार्यक्रम में विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने नवागन्तुक छात्र-छात्राओं का स्वागत किया तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सह-आचार्य डॉ जुगल किशोर दाधीच ने विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विभाग के शोधार्थी उपस्थित थे। विभाग के विद्यार्थी काजल चौहान, प्रेरणा जैन ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का संचालन कोमल शर्मा ने किया। सहायक आचार्य डॉ विकास शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 28 सितम्बर, 2016 को महाप्रज्ञ सभागार में किया गया। शिविर में स्थानीय मौलाना आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक से विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर को संबोधित करते हुए विभाग के प्रो अनिल धर ने कहा कि अहिंसक जीवन शैली से ही मूल्यों की स्थापना की जा सकती है। उन्होंने कहा कि नैतिकता, करूणा, मैत्री, सहयोग, आपसी भाइचारे, प्रेम की स्थापना अहिंसा प्रशिक्षण के द्वारा ही संभव है। प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ रविन्द्र सिंह राठौड ने हिंसा के दुष्प्रभावों की मीमांसा करते हुए अहिंसा प्रशिक्षण को जरूरी बताया। इस अवसर पर योग विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने योग एवं आसन का प्राणायाम का प्रशिक्षण देते हुए योग के लाभ बताये। शिविर के संयोजक डॉ विकास शर्मा ने अहिंसा प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वच्छता अभियान का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा 29 सितम्बर, 2016 को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत सफाई अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर के शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक खण्ड, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, शिक्षा के सामने, बॉलिवॉल ग्राउण्ड, पार्किंग, केंटीन सहित अनेक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में प्रो. आरबीएस वर्मा, कुलसचिव प्रो. अनिलधर, डॉ. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डॉ. रविन्द्रसिंह राठौड, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. मनीष भटनागर, डॉ. विष्णु कुमार, डॉ. गिरधारीलाल शर्मा, डॉ. आभासिंह सहित अनेक लोगों ने भाग लेकर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की। इस अवसर पर शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

महावीर जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

जिस सोच से समस्याएँ पैदा होती हैं, उससे समाधान नहीं निकल सकता- प्रो. दूगड़

संस्थान में महावीर जयंती के उपलक्ष में 28 मार्च को महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में भगवान महावीर अन्तर्राष्ट्रीय शोध केन्द्र एवं जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने भगवान महावीर के अनेकांत, संयम और परस्परता के सिद्धांतों को महत्वपूर्ण बताते हुये कहा कि खुलकर सोचना और प्रतिपक्ष के साथ सोचना अनेकांत है। जिस सोच से समस्याओं का जन्म होता है, उस सोच से समाधान नहीं निकल सकता। इसके लिये खुली सोच जरूरी है। अनेकांत एक क्रांतिकारी विचार था और आज भी उसकी महत्ता है। जैन विद्या एवं तुलनात्मक धर्म व दर्शन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने कहा कि भगवान महावीर अप्रमत्तता या सतत जागरूकता के प्रतिमूर्ति थे। जो अपनी आत्मा के प्रति सतत जागरूक रहता है, वह गलत काम नहीं कर सकता।

जीवन के लिए भाग्य नहीं पुरुषार्थ जरूरी

शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने महावीर के अहिंसा, समता, सहिष्णुता, संयम और अनेकांत को जीवन के लिये महत्वपूर्ण मूल्य बताया। दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि महावीर पुरूषार्थ के प्रदीप्त पुरूष थे और हर व्यक्ति केवल पुरूषार्थ के बल पर ही अपने जीवन की यात्रा को पूरा कर सकता है। कार्यक्रम में वित्ताधिकारी आर.के. जैन, मुमुक्षु समता, विनय जैन, ज्योति नागपुरिया व सुविधा जैन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन व अंत में आभार ज्ञापन डॉ. योगेश जैन ने किया। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में भी महावीर जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. मनीष भटनागर, मुकेश कुमार चौहान, वर्षा स्वामी, संतोष, सरोज व सुविधा जैन ने भगवान महावीर के जीवन व उपदेशों पर प्रकाश डाला।

अहिंसा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित

अहिंसा को अपनाने से व्यक्ति, परिवार व समाज सुखी बनता है- डॉ. भारिल्ल

संस्थान के अन्तर्गत महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्वावधान में आचार्य तुलसी श्रुत-संवर्द्धिनी व्याख्यानमाला में 5 अप्रेल को महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अहिंसा की प्रासंगिकता" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य व्याख्यानकर्ता पं. टोडरमल जैन सिद्धांत महाविद्यालय जयपुर के निदेशक डॉ. हुकुमचंद भारिल्ल ने कहा कि राग आदि द्वेष हिंसा के मूल कारण होते हैं। महावीर ने 2500 साल पहले अहिंसा का सिद्धांत दिया था, वह आज पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। आज निर्दयता एवं हिंसा की भावनाएं बढी हैं। ऐसे में महावीर के सिद्धांतों पर चलने पर हम शांत हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अहिंसा को अपनाकर व्यक्ति सुखी होगा और परिवार, समाज या देश द्वारा अहिंसा अपनाई जायेगी तो वे भी सुखी बन जायेंगे।

माध्यमिक शिक्षा में शामिल हो जीवन विज्ञान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. बी.एल. चौधरी ने ईशावास्योपनिषद, गीता, देसी कहावतों आदि के आधार पर जीवन-व्यवहार को समझाया तथा निर्भय होने को अहिंसा का आधार बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि हिंसा का प्रारम्भ तब होता है, जब हम किसी के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करें। भगवान महावीर ने परस्परता और सह-अस्तित्व को अहिंसा का आधार बताया था। उन्होंने शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष से जीवन विज्ञान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता बताई, ताकि विद्यार्थी अपने जीवन को सर्वांगीण रूप से परिपूर्ण बना सकें। कुलपति ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय में हैंडीक्राफ्ट स्किल डेवलप का कोर्स भी शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। शोधपीठ की निदेशिका प्रो. समणी ऋजुप्रज्ञा ने अंत में अपने सम्बोधन में अहिंसा को शाश्वत विषय बताया तथा कहा कि इसकी प्रसंगिकता सदैव ही बनी रहेगी।

हिंसा व अहिंसा को अलग-अलग करना मुश्किल

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि तेरापंथ महासभा जोधपुर के ट्रस्टी दिलीप सिंघवी ने अपरिग्रह व समता के भाव को अहिंसा के लिए आवश्यक बताया। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय अजमेर के गणित विभागाध्यक्ष प्रो. सुशील कुमार बिस्सु ने कहा कि अहिंसा की प्रसंगिकता इस सृष्टि के रहने तक रहेगी। संस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. महावीर राज गेलड़ा ने पाश्चात्य संस्कृति के आगमन को अनुचित बताया।

तीन दिवसीय अहिंसा, शांति व मानवाधिकार प्रशिक्षण शिविर आयोजित

मानवाधिकारों की रक्षा के लिये शांति व सद्भावना जरूरी- प्रो. यादव

[illegible]

हिंसा के माहौल में अहिंसा का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण

[illegible]

वैश्विक परिवार की जगह वैश्विक बाजार बन गया है

[illegible]

विश्व दर्शन दिवस पर कार्यशाला

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग व महादेवलाल सरावगी अनेकान्त शोधपीठ के तत्वावधान में विश्व दर्शन दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 19 नवम्बर को विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश उमाशंकर व्यास ने कहा दर्शन न्याय का पर्याय है, दर्शन के माध्यम से ही न्याय को सही मायने में प्रकट किया जा सकता है।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि दर्शन को समझने से ही द्वन्द्वों से मुक्ति पायी जा सकती है। इस अवसर पर पांचाला सिद्धा के प्रख्यात महंत स्वामी सूरजनाथ सिद्धी ने कहा कि दर्शन को समझने के लिए व्यक्ति को जीवन व व्यवहार को संतुलित करना पड़ेगा। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में विविध विद्वानों ने दर्शन दिवस की महत्ता उजागर करते हुए अनेक विषयों पर चर्चा की। प्रो. समणी कुसुमप्रज्ञा ने अनेकांत : व्यवहार एवं सिद्धांत, प्रो. बी.आर. दूगड़ ने पारिवारिक समन्वय एवं अनेकांत, प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने अनेकांत की व्यवहारिकता, प्रो. अनिल धर ने अनेकांत की उपादेयता विषय पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ समणी प्रणवप्रज्ञा द्वारा प्रस्तुत मंगल संगान से हुआ। संयोजन डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज व डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने किया।

अहिंसा दिवस

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में अहिंसा दिवस का आयोजन 1 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो बच्छराज दुगड ने कहा कि महात्मा गांधी ने विश्व को अहिंसा एवं शांति का संदेश दिया। गांधी के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए प्रो दुगड़ ने गांधी के जीवन में गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। सहायक आचार्य रविन्द्रसिंह राठौड ने कहा कि महात्मा गांधी ने अहिंसा को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान दिलायी है। कार्यक्रम में राधा प्रजापत, ऋतु चौहान, रविन्द्र राज,सुनिता सारस्वत आदि ने गांधी जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। संस्थान के शिक्षा विभाग में भी अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो बीएल जैन ने महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए संयमित जीवन को प्रभावी व्यक्तित्व विकास का आधार बताया।

अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अक्टूबर को महाप्रज्ञ सभागार में हुआ। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने कहा कि युवा अहिंसा को जीवन में अंगीकार करें, तभी देश एवं समाज का विकास संभव है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती संस्थान के प्रो. बी.आर. दूगड़ ने युवाओं को अहिंसा एवं शांति को जीवन का ध्येय बनाने का आह्वान किया।

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने युवाओं को कॅरियर निर्माण के साथ मूल्यों से प्रेरित शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन शोधार्थी लक्ष्मी सिंधी ने किया। प्रशिक्षण शिविर में सेंटजीवियर्स स्कूल के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अहिंसक वैश्विक व्यवस्था वर्तमान की आवश्यकता- प्रो. दाधीच

संस्थान के महादेवलाल सरावगी अनेकांत शोधपीठ के तत्वावधान में 29 जुलाई को संचालित इण्टरनेशलन समर स्कूल के अण्डरस्टेंडिंग जैनिज्म में देश विदेश के पहुंचे स्कॉलर को संबोधित करते हुए वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति नरेश दाधीच ने कहा कि अहिंसा गुणसपन्न व्यवस्था मानव एवं सर्वप्राणी के अस्तिव के लिए जरूरी है। वैश्विक व्यवस्था में न्याय एवं प्रेम के बाहुल्य के लिए सत्य, शांति, प्रेम, धैर्य, संतोष, सहिष्णुता आदि आवश्यक है जो विश्व के सर्व प्राणियों में सर्व प्राणियों के अस्तित्व को सुनिश्चित करते है।

मानवाधिकार दिवस का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस 12 दिसम्बर, 2014 को मनाया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने कहा कि अधिकार से पहले कर्त्तव्य की ओर भी ध्यान देना आवश्यक है। प्रो. बी.आर. दूगड़ ने परस्पर करूणा रखने का आह्वान किया। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. समणी मल्लीप्रज्ञा एवं शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने भी संभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिताओं की प्रभारी डॉ. सरोज राय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए।

अहिंसा दिवस का आयोजन

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में गांधी जयन्ती के पूर्व दिवस पर अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस सेमीनार हॉल में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो. बच्छराज दूगड़ ने की। कार्यक्रम में संभागियों को विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल धर, प्रो. जे.पी.एन मिश्रा ने भी संबोधित किया। सभी ने गांधी के अहिंसा, शान्ति, प्रेम, भाईचारा, सद्भाव, सहयोग के विचारों को आत्मसात कर जीवन व्यवहार में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। संस्थान के शिक्षा विभाग में भी प्रो. बी. एल. जैन की अध्यक्षता में अहिंसा दिवस मनाया गया।

विशेष व्याख्यान

सामाजिक सद्भाव के लिए शिक्षा

संस्थान के अहिंसा एवं शान्ति विभाग के तत्वावधान में सेमीनार हॉल में 19 फरवरी को 'सामाजिक सद्भाव के लिए शिक्षा' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली के प्रो. एम.डी. थॉमस ने विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

राष्ट्रीय कार्यशाला

महिलाओं की आत्म सुरक्षा एवं पुलिस की भूमिका

संस्थान के शिक्षा विभाग एवं कॅरियर एण्ड कॉउन्सलिंग सेल के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं की आत्म सुरक्षा एवं पुलिस की भूमिका विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 18 फरवरी को किया गया। मुख्य अतिथि राजीव गांधी ट्राईबल विश्वविद्यालय उदयपुर के कुलपति टी.सी. सामौर एवं विशिष्ट अतिथि लाडनूं वृत अधिकारी जाकीर अख्तर ने भी संभागियों को विषय से सम्बन्धित विशेष जानकारी दी। कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में प्रो. बी.एल. फड़िया, प्रो. पी.एम. भाटी जोधपुर, प्रो. कान्ता कटारिया जोधपुर, प्रो. एम.डी. थॉमस नई दिल्ली ने भी अपने व्याख्यान के साथ प्रशिक्षण दिए।

संस्थान को नई ऊंचाइयां देने के लिए समर्पित रहें-कुलपति

नव वर्ष समारोह

वर्ष 2018 के शुभागमन पर सेमिनार हॉल में 3 जनवरी को संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने संस्थान की श्रेष्ठता एवं सर्वोच्चता के लिये समस्त सदस्यों की सक्रिय भागीदारी को आवश्यक बताते हुये गत वर्ष के योगदान की सराहना की और भविष्य में भी संस्थान को नई उंचाईयाँ मिलने के लिये प्रयासरत रहने का विश्वास जताया। उन्होंने वर्ष 2018 में प्रस्तावित कार्ययोजनाओं का जिक्र करते हुए योगा, नेचुरोपैथी हॉस्पिटल एवं कॉलेज खोलने की संभावना व्यक्त की तथा सभी से ध्येय पथ पर निरंतर गतिमान रहने की अपेक्षा की। दूरस्थ शिक्षा निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने संस्थान के विकास में एकजुट होकर लक्ष्य को अर्जित करने पर विशेष बल दिया। कुलसचिव विनोद कुमार कक्कड़ ने नये वर्ष में आत्मविश्वास से आपूरित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समणी नियोजिका प्रो. ऋजुप्रज्ञा ने सभी सदस्यों को संस्थान के प्रति समर्पित बताया और कहा कि नववर्ष में यह भावना और विकसित होनी चाहिए।

नववर्ष पर उत्साह जनक कार्यक्रम

संस्थान में नववर्ष पर 1 जनवरी 2018 को महाप्रज्ञ सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि नववर्ष के प्रथम दिवस आत्मावलोकन व आत्मचिंतन का दिन है, ताकि अपने गुजरे

अतीत से सबक लेकर भविष्य संवार सके। रमेश दान चारण ने देशभक्ति गीत, विनय जैन, हेमलता शर्मा, प्रवीणा कंवर, कंचन स्वामी ने कवितायें एवं तांबी दाधीच ने एकल नृत्य की प्रस्तुति दी। उपकुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, प्रो. दामोदर शास्त्री, प्रो. बी. एल. जैन, डॉ. विजेन्द्र प्रधान, डॉ. गुगल किशोर दाधीच, डॉ. गोविन्द सारस्वत, डॉ. योगेश जैन, अभिषेक चारण, डॉ. विकास शर्मा ने विश्वविद्यालय परिवार के लिये मंगलकामनायें व्यक्त की।

नये भारत के निर्माण के संकल्प की सिद्धि के लिये मन व कर्म से जुट जायें- प्रो. दूगड़

संकल्प दिवस मनाया

भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 9 अगस्त को यहां विश्वविद्यालय में संकल्प दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने बताया कि 9 अगस्त 1942 को लिये गये आजादी के संकल्प से ही स्वतंत्रता की नींव पड़ी थी और 15 अगस्त 1947 को देश की स्वतंत्रता के रूप में उसकी सिद्धि मिली थी। उन्होंने आजादी की लड़ाई के सेनानियों एवं उनके द्वारा दिये गये नारों को याद करते हुये कहा कि हमें उन सेनानियों के बलिदान पर गर्व करना चाहिये। प्रो. दूगड़ ने नये भारत के निर्माण के संकल्प को सन 2022 तक सिद्ध करने के आह्वान के साथ कहा कि मन व शरीर से मजबूत बन कर ही सभी संकल्प की सिद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

सामूहिक संकल्प लिया

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, व्याख्याताओं, स्टाफ आदि ने नये भारत के निर्माण का संकल्प लिया। उन्होंने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे स्वच्छ, गरीबी मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, आतंकवाद मुक्त, सम्प्रदाय मुक्त व जातिवाद मुक्त भारत के निर्माण करने में अपने मन और कर्म से जुट जायेंगे। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने सबको एक साथ संकल्प ग्रहण करवाया। इस अवसर पर कुलसचिव वी. के. कक्कड़, उप कुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, आईक्यूएसी के निदेशक प्रो. अनिल धर मंचस्थ थे।

सरदार पटेल के कारण ही सुरक्षित है देश की एकता और अखंडता

राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्त्वावधान में लौह-पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म-जयंती के उपलक्ष में 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के शोध-निदेशक प्रो. अनिल धर ने देश की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को सुरक्षित रखने में सरदार पटेल की भूमिका के बारे में बताया तथा कहा कि पटेल के कारण ही आज देश संगठित होने में सफल हुआ है। विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने सरदार पटेल के अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ किये गये प्रयासों एवं आजादी के लिये संघर्ष के बारे में ब्यौरा प्रस्तुत किया। डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़ ने सरदार पटेल के विचारों के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विकास शर्मा ने किया।

नैतिक मूल्यों के समावेश से जीवन में परिवर्तन आता है

तीन दिवसीय आमुखीकरण एवं प्रेक्षाध्यान शिविर

तीन दिवसीय आमुखीकरण एवं प्रेक्षाध्यान शिविर का 28 जुलाई को समारोह पूर्वक समापन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने कहा कि जीवन में मूल्यों का अपना महत्व होता है। उनके बिना जीवन सारहीन बन जाता है। नैतिक मूल्यों का समावेश जीवन को आमूल-चूल रूप से बदल देता है तथा जीवन में सुदृढ़ मूल्यों की खुशबू भर जाती है।

समारोह के मुख्य वक्ता अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर दाधीच ने कहा कि जीवन में समय की पाबंदी को महत्व आवश्यक है। समय पर किये गये कार्य ही सुफल देने वाले होते हैं। दीर्घसूत्रता से जीवन में बिगाड़ आता है। प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने तीन दिवसीय शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिविरार्थी छात्राओं सरिता शर्मा, संध्या शर्मा, शिवानी आचार्य आदि ने अपने अनुभव अन्य छात्राओं के साथ साझा किये। शिविर का अंतिम दिवस व्यक्तित्व विकास एवं आमुखीकरण पर केन्द्रित रहा। सभी शिविरार्थी छात्राओं ने इस अवसर पर वृक्षारोपण करके अपने संकल्प को मजबूत किया। शिविर के अंतिम सत्र में योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत ने छात्राओं को यौगिक थैरेपी से परिचित करवाया तथा अभ्यास करवाते हुये उनके लाभ बताये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बलवीर सिंह चारण ने किया।

व्यक्ति की गरिमा व समानता का अधिकार रक्षित होना आवश्यक- प्रो. धर

विश्व मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्त्वावधान में मानवाधिकार दिवस पर 10 दिसम्बर को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शोध निदेशक प्रो. अनिल धर ने व्यक्ति के मौलिक अधिकारों के बारे में बताते हुये राज्य व राष्ट्रीय स्तर के मानवाधिकार आयोगों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा कर रखी है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में कहा गया है कि कुछ ऐसे मानवाधिकार हैं, जो कभी छीने नहीं जा सकते, जिनमें मानव की गरिमा है और स्त्री-पुरुष के समान अधिकार हैं। प्रो. धर ने बताया कि किसी भी इंसान की जिंदगी, आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार ही मानवाधिकार है। डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी पूरी जिम्मेदारी से निभाने की सलाह दी तथा कहा कि अगर हर व्यक्ति अपने दायित्वों को समझ ले तो अधिकारों की रक्षा स्वतः ही हो जाती है और कानून का उपयोग ही नहीं करना पड़ता है। कार्यक्रम में सरफुद्दीन चौलिया, राजेश भाटी, उषा जैन, रजनी प्रजापत, चंदना प्रजापत, आसिफ खान, शीतल प्रजापत, हंसराज कंवर, प्रतिभा कंवर, किरण चानी, सरिता सोनिया, सालमा जांगिड़, हीरालाल भाकर, गजानन्द चारण, मेहरुन, तमन्ना आदि उपस्थित रहे।